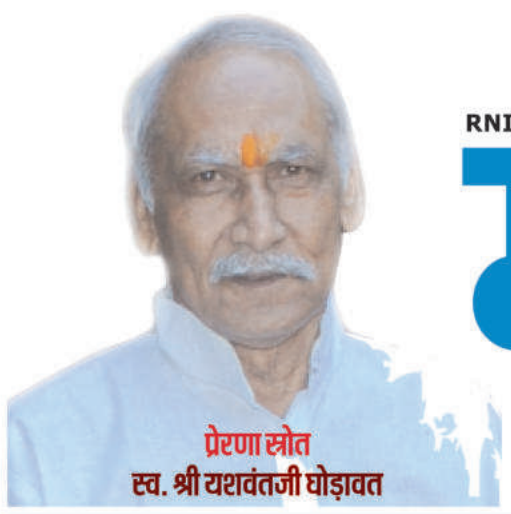
प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

संविधान केवल वकीलों का दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह जीवन का एक माध्यम है।
डॉ. बी.आर. अम्बेडकर

वर्ष-05, अंक - 27 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 06 अप्रेल 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

36 मौतों का जिम्मेदार कौनः प्रशासन या नगर निगम...?

माही की गूंज,संजय भटेवरा

इंदौर। इंदौर में रामनवमी के अवसर पर हुए हादसे का जिम्मेदार कौन है प्रशासन या नगर निगम...? जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए और जिम्मेदार पर उचित कार्यवाही किया जाना आवश्यक है, क्योंकि यह 36 मौतों का जिम्मेदार है नगर निगम। क्षेत्र में किसी भी निर्माण की अनुमति देने का कार्य नगर निगम का है, कितना निर्माण किया जाना है, कैसा निर्माण किया जाना है, उचाई, लंबाई, चौड़ाई, गहराई आदि सभी तकनीकी पहलुओं की जांच के बाद नगर निगम या स्थानीय प्रशासन अपनी शर्तों के अधिन निर्माण की अनुमति जारी करता है उसके बाद भी अगर निर्माण कार्य में लापरवाही वंश कोई हादसा होता है तो इसकी सीधी जिम्मेदारी भी अनुमति जारी कर्ता कि होना चाहिए। लेकिन आमतौर पर यह देखा जाता है कि, जिम्मेदारी एक-दूसरे पर थोप कर कर्तव्यो की इतिश्री कर ली जाती है। इंदौर हादसे के बाद शासन स्तर पर जागरूकता आई है और सरकार ने पूरे प्रदेश मैं जांच के आदेश दिए हैं। लेकिन क्या ईमानदारी से जांच होगी...? यह संदेह के घेरे में है, क्योंकि सरकारी कार्यप्रणाली सें अब आम जनता भी भलीभांति वाकिफ हो चुकी है।

कुछ ऐसा ही मामला कुछ माह पूर्व बस हादसे के बाद हुआ था और पूरे प्रदेश में निजी और सरकारी बसों के लिए कुछ गाइडलाईन जारी की गई थी। क्या उसके बाद प्रदेश की सड़कों पर सरकारी गाइडलाईन के अनुसार बसें चल रही है...? क्या खटारा बस मध्य प्रदेश की सड़कों से गायब हो चुकी है...?

ऐसे ही आदेश खुले हुए नलकूप को लेकर भी जारी हुए थे, लेकिन किसी भी घटना के बाद एक-दो माह तक सरकारी महकमा मुस्तैदी दिखाता है लेकिन बाद में फिर पुराना रवैया ही यानी सुस्त कार्यप्रणाली जारी रहती है। वर्तमान में नलकूप को लेकर जो गाइडलाईन जारी की गई है वह स्वागतः योग्य है लेकिन उस पर ईमानदारी से पालन भी आवश्यक है।

भ्रष्टाचार नहीं भ्रष्टाचार का तरीका बदला

प्रदेश की सत्ता में लगभग 18 वर्षों से काबिज भाजपा सरकार भले ही भ्रष्टाचार मुक्त शासन का वादा करती रही है। प्रदेश के मुखिया स्वयं को भले ही भ्रष्टाचारियों को कठोर संदेश देते रहे हो, लेकिन आम जनता का यह मानना है कि, प्रदेश में भ्रष्टाचार खत्म नहीं हुआ है केवल भ्रष्टाचार का तरीका बदला है। स्थानीय प्रशासन द्वारा दी जाने वाली निर्माण अनुमति में भी भ्रष्टाचारियो ने अलग-अलग तरीके निकाल लिए हैं। जैसे किसी बड़े प्रोजेक्ट की निर्माण अनुमति जारी की जाती है और लगभग 50 से 60 प्रतिशत काम हो जाने के बाद कुछ न कुछ कमी बतलाकर नोटिस जारी कर दिया जाता है। नोटिस मिलने के बाद संबंधित जब स्थानीय प्रशासन के पास पहुंचता है तो उसे लेन-देन की बात की जाती है, अगर लेन-देन हो जाती है तो निर्माण कार्य विधीमान्य बतलाकर कार्य जारी रहता है अन्यथा की स्थिति में निर्माण कार्य पर रोक लगा दी जाती है और संबंधित व्यक्ति या फर्म का बड़ा निवेश बेकार हो जाता है और बड़ा घाटा न हो इसके लिए अधिकतर मामलों में अधिकारी अपनी बात मनवाने पर सफल रहते हैं।

घटनाएं या अपराध के बाद ही अवैध क्यों...?

इंदौर की घटना के बाद निर्माणधिन मंदिर को अवैध बतलाकर तोड़ दिया गया है। कुछ ऐसे ही मामले अपराधियों की धरपकड़ के बाद उनके निवास स्थान या दुकानों को अवैध बतलाकर उनपर बुलडोजर चला दिया जाता है। इस हिसाब से देखा जाए तो प्रदेश में कई अवैध निर्माण है लेकिन सब चल रहे हैं। अगर कोई अपराधी पकड़ा जाता है और उसका निर्माण अवैध निकलता है तो इसकी जिम्मेदारी केवल अपराधी की नहीं बल्कि निर्माण की अनुमति जारी कर्ता की भी होना चाहिए। यही नहीं अगर प्रदेश में कोई अवैध निर्माण है तो उस पर तत्काल बुलडोजर चलाना चाहिए उसके लिए किसी घटना या अपराध का इंतजार क्यों...?

हजार किलोमीटर पैदल चलकर ओडिशा पहुंचे मजदूर

नई दिल्ली, ऐजेंसी। ओडिशा के मजदूरों ने एक हजार से अधिक किलोमीटर का सफर पैदल यात्रा चलकर पूरा किया। बैंगलुरु से कालाहांडी अपने घर आने के लिए मजदूरों ने कोरापुट से अपनी यात्रा शुरू की थी। रविवार को तीनों अपने घर पहुंचे। इस दौरान उनके साथ सिर्फ पानी की बोतलें ही थीं, जेब भी खाली पड़ी थी।

बुडू मांझी, कटार मांझी और भिखारी मांझी कालाहांडी जिले के तिंगलकन गांव के निवासी हैं। तीनों का कहना है कि वह बेंगलुरू में काम करते थे, लेकिन ठेकेदार ने कई महीनों से उन्हें सैलरी नहीं दी थी। घर आने का सोचा, लेकिन जेबें खाली थीं, ठेकेदार मदद भी नहीं कर रहा था। इसलिए उन्हें पैदल अपने घर आना पड़ा। हालांकि, रास्ते में कहीं-कहीं उन्हें लिफ्ट जरूर मिल गई थी।

लोगों की मदद

मजदूरों का कहना है कि उन्हें पैदल आते देख कई लोगों ने उनकी मदद की। किसी दुकानदार ने खाना खिलाया तो किसी ने लिफ्ट दी। ओडिशा मोटरिस्ट एसोसिएशन के पोतंगी ब्लॉक के अध्यक्ष भगवान पडल ने उन्हें 1500 रुपए दिए। साथ ही भगवान के कालाहांडी के रास्ते में पड़ने वाले नबरंगपुर तक उन्हें गाड़ी भी दी।

सैलरी मांगने पर पीटा

बता दें, ओडिशा के 12 मजदूर दो महीने पहले नौकरी के तलाश में ठेकेदार के साथ बेंगलुरू गए थे। यहां उन्होंने दो महीने तक काम किया, लेकिन दोनों महीनों की उन्हें सैलरी नहीं मिली थी। सैलरी मांगने पर ठेकेदार ने तीनों मजदूरों को पीटना शुरू कर दिया। भिखारी ने बताया कि हम अपने परिवार के लिए नौकरी करने वहां गए थे। वहां हमें सैलरी ही नहीं मिली, मांगने पर पीटा जा रहा था। इसलिए हमारे पास घर वापस आने के कोई रास्ता नहीं था।

कांग्रेस ने साधा निशाना

पडल ने बताया कि बेंगलुरु से पैदल कोरापुट पहुंचने पर तीनों की हालत दयनीय थी। हमने उन्हें भोजन दिया, कुछ पैसे इक्ठ्ठे करके दिए। कांग्रेस विधायक संतोष सिंह सलूजा ने कहा कि यह घटना क्षेत्र के प्रवासी श्रमिकों की स्थिति को दिखाती है। ओडिशा की नवीन पटनायक सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इसने 23 साल सत्ता में रहने के बाद भी लोगों को निराश किया है।

नेताओं के लिए अलग निप्रवर्तन निदेशालयम कैसे बनेंगे...?- सुको

नई दिल्ली, ऐजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस के नेतृत्व में 14 विपक्षी दलों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। इस याचिका के माध्यम से विपक्षी दलों ने केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय जैसी जांच एजेंसियों के मनमाने इस्तेमाल का आरोप है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुनवाई से इनकार किए जाने के बाद विपक्षी दलों ने इस याचिका को वापस ले लिया। दरअसल, शीर्ष अदालत ने कहा कि नेताओं के लिए अलग-अलग दिशानिर्देश नहीं बनाए जा सकते हैं।

प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो के मामलों में 600 फीसदी वृद्धि

विपक्षी दलों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया कि 2013-14 से 2021-22 तक सीबीआई और ईडी के मामलों में 600 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ईडी द्वारा 121 नेताओं की जांच की गई है, जिनमें से 95 प्रतिशत विपक्षी दलों से हैं। इसके साथ ही उन्होंने तर्क दिया कि सीबीआई ने 124 नेताओं की जांच की, जिनमें से 95 फीसदी से अधिक विपक्षी दलों से संबंधित हैं।

एक कानून के अधीन हैं सभी

इसी बीच शीर्ष अदालत ने सिंघवी से पूछा कि क्या हम इन आंकड़ों की वजह से कह सकते हैं कि कोई जांच या कोई मुकदमा नहीं होना चाहिए? कोर्ट का कहना है कि अंततः एक नेता मूल रूप से एक नागरिक होता है और नागरिकों के रूप में हम सभी एक ही कानून के अधीन हैं।

सामाजिक आयोजनों में हादसों को रोकने के लिए कानून बनाएगी कांग्रेस - कमलनाथ

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा है कि, धार्मिक, सामाजिक और लोकमहत्व के आयोजनों में किसी भी संभावित हादसे को रोकने के लिए कांग्रेस कानून लाएगी। उन्होने कहा कि सेफ्टी ऑडिट और कम्युनिटी इमरजेंसी रिस्पांस टीम का गठन किया जाएगा साथ ही आम लोगों की राय भी ली जाएगी और उस आधार पर वर्गीकरण होगा।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि बीते दिनों इंदौर के बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर में हृदय विदारक दुर्घटना में 36 श्रद्धालुओं की जान चली गई। यह पहला अवसर नहीं है जब किसी धार्मिक या सार्वजनिक आयोजनों में इस प्रकार की दुखद घटना हुई हों। इसके पहले भी मध्य प्रदेश मेंह 13 अक्टूबर 2013 को रतनगढ़ माता मंदिर में मची भगदड़ से 117 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर पुल पर भगदड़ में 20 मौतें हुई और हाल ही में रुद्धाक्ष महोत्सव में सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ से से अव्यवस्थाएं उत्पन्न हुईं। कमलनाथ ने कहा कि हम इस बात की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हैं कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार में बनने पर हम समूचे प्रदेश में धार्मिक, सामाजिक और लोकमहत्व के जितने भी कार्यक्रम होंगे, उनको वर्गीकृत करके आयोजन के पूर्व उनका सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य करेंगे, ताकि ऐसे आयोजन व्यापक रूप से पूरे उत्साह से मनाये जा सकें और किसी तरह की दुर्घटना की आशंका न रहे।

इन आयोजनों को आमजनों की सहभागिता के आधार पर वर्गीकृत किया जायेगा। एक हजार से पांच हजार, पांच हजार से पचास हजार, पचास हजार से एक लाख और एक लाख से अधिक लोगों के किसी आयोजन में शामिल होने के पूर्व उस स्थल का व्यापक रूप से सेफ्टी और सिक्योरिटी ऑडिट किया जायेगा। इसके लिए बाकायदा एक कानून लाया जायेगा जिसमें आयोजनों के विभिन्न पहलुओं को समायोजित किया जायेगा, जैसे- आयोजन परिसर की क्षमता का मूल्यांकन, उसमें बिजली, पानी से संबंधित हादसों को रोकने के लिए पूर्व नियोजन, आयोजन के दौरान दिये जाने वाले भोज का भी फूड सेफ्टी असेस्मेंट निर्धारित किया जायेगा। साथ ही बड़े आयोजन के लिए आयोजन स्थल तक पहुँचने का एक पूर्व निर्धारित ट्रैफिक प्लान भी बनाया जायेगा। इन सभी संदर्भों के लिए एक कांपिटेंट अथॉरिटी (सक्षम प्राधिकारी) का गठन किया जायेगा।

धोखेबाजः 66 वर्ष का बूढ़े ने 10 राज्यों में कीं 27 शादियां

नई दिल्ली, ऐजेंसी। ओडिशा के सबसे बड़े धोखेबाजों में से एक माने जा रहे रमेश स्वेन नाम के शख्स के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने मामला दर्ज किया है। खास बात है कि 66 वर्षीय पर आरोप हैं कि इसने 27 बार शादियां की हैं। एक अधिकारी ने जानकारी दी है कि स्वेन के आर्थिक लेनदेन की जांच की जाएगी। साथ ही एजेंसी आगे चलकर पूछताछ के लिए रिमांड भी मांग सकती है।

ओडिशा पुलिस ने बीते वर्ष स्वेन को 10 राज्यों में 27 महिलाओं से शादी करने और उनके साथ लाखों रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया था। फिलहाल, ओडिशा के मामले में पुलिस ने स्वेन की पत्नियों, सौतेली बहन डॉक्टर कमला सेठी और ड्राइवर को गिरफ्तार किया था। हालांकि, इन सभी को हाईकोर्ट की तरफ से जमानत मिल गई है।

ईडी के अधिकारी का कहना है कि जांच एजेंसी राज्य की पुलिस के साथ संपर्क में है। साथ ही बरामद हुए दस्तावेजों की जांच की जा रही है। स्वेन को वर्ष 2011 में हैदराबाद में लोगों को एमबीबीएस कोर्स में सीटों के बदले 2 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी में गिरफ्तार किया गया था। साल 2006 में उसने केरल में कथित तौर पर 13 बैंकों को एक करोड़ रुपये का चूना लगाया था।

शादियों का खेल

स्वेन को पुलिस दल ने 13 फरवरी को 8 महीनों की तलाश के बाद गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ मई 2021 में दिल्ली में रहने वाली एक पत्नी ने शिकायत दर्ज कराई थी। स्वेन से उसकी मुलाकात 2018 में मेट्रीमोनी साइट के जरिए हुई थी। उस दौरान स्वेन ने दावा किया था कि, वह स्वास्थ्य मंत्रालय में उप महानिर्देशक है।

कहा जा रहा है कि भुवनेश्वर में स्वेन के कम से कम तीन किराय के घर थे, जहां वह एक बार मे तीन बीवियों को रखता था। पुलिस ने यह जानकारी दी है। उसकी पत्नियों ने पुलिस को बताया है कि, वह कई बार अपनी पत्नियों से उधार मांगता था और रुपये मिलने पर अगली पत्नी की तलाश करता था।

शिव का नाथ पर पलटवार, कहा 'कॉर्पोरेट राजनीति करने वाले न मामा हो सकते हैं न चाय बेचने वाले

भोपाल। सीएम शिवराज सिंह चैहान ने कमलनाथ के उस बयान पर तंज कसा है जिसमें उन्होने कहा था कि 'मैं न चाय बेचने वाला हूं न ही मामा हूं।' इसपर मुख्यमंत्री ने कहा कि 'जिसके दिल में बहनों-बेटियों के लिए इज्जत होती है, वही मामा हो सकता है। हर कोई मामा नहीं हो सकता। चाय वाला भी कोई गरीब हो सकता है, जो सोने की चम्मच मुंह में लेकर पैदा हुआ है, कॉर्पोरेट राजनीति करने वाले कैसे चाय वाले हो सकते हैं।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मुझे तो कमलनाथ जी पर तरस आता है, कई बार लगता है उम्र अब हावी हो रही है। अब वह कहते हैं कि जरूरत ही नहीं है विधायक की। लोकतंत्र में चुने हुए जनप्रतिनिधि की हैसियत भी संविधान में बताई गई है, और कांग्रेस यह भी जानती है कि मुख्यमंत्री का चुनाव विधायक ही करते हैं। वो पहले भी कहते थे कि मुझे जरूरत नहीं है तो लोग कांग्रेस से निकलकर आ गए। अब फिर कह रहे हैं मुझे जरूरत नहीं है, जाओ जहां जाना हो। अपने आप को कहलवाते हैं भावी मुख्यमंत्री, अवश्यंभावी सीएम और कहते हैं विधायकों की जरूरत ही नहीं है। अब कांग्रेस का भगवान ही मालिक है, जिसका नेता कह रहा हो मुझे जरूरत ही नहीं है। यह उनका अहंकार भी है।'

वही कमलनाथ पर पलटवार करते हुए सीएम ने कहा कि 'पता नहीं वो क्या-क्या बोलते हैं। कल शायद कहा न मैं चाय बेचने वाला हूं, न मैं मामा हूं। मामा तो तुम हो ही नहीं सकते। मामा तो वह होता है जिसके दिल में बहनों और बेटियों के लिए इज्जत होती है। तुम किसान हो नहीं सकते क्योंकि तुमने किसानों के वादे कभी पूरे नहीं किए। कर्जमाफी का वादा करके मुकर गए। माटी की सौंधी सुगंध जानते नहीं हो। चाय वाला तो कोई गरीब ही हो सकता है। सोने की चम्मच मुंह में लेकर पैदा होकर कॉर्पोरेट राजनीति करने वाले और मौका मिलते ही पूरे प्रदेश को लूटने वाले कैसे चाय वाले हो सकते हैं।

भारत-भूटान की दोस्ती, दोनों ने कई परियोजनाओं पर वार्ता

नई दिल्ली, ऐजेंसी। भारत और भूटान ने माना कि उनकी लंबे समय से चली आ रही विकास साझेदारी, विश्वास और आपसी समझ पर आधारित सहयोग और दोस्ती के मजबूत संबंधों को दर्शाती है। दोनों देशों ने बुधवार को एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने दोनों देशों के बीच पहले से ही घनिष्ठ संबंधों को और बढ़ाने के लिए चर्चा की।

भूटान के पीएम ने दिया था चीन को लेकर बयान

बता दें कि कुछ दिन पहले, भूटान के प्रधानमंत्री लोटे त्शेरिंग ने कहा था कि डोकलाम ट्राई-जंक्शन से संबंधित सीमा विवाद को हल करने में चीन की समान भूमिका है। इसके कुछ दिनों बाद मोदी और भूटान के राजा के बीच बातचीत हुई है। भूटान के पीएम त्शेरिंग की टिप्पणी चीन से घनिष्ठ संबंधों को दर्शाता है। हालांकि, भूटान ने कहा कि त्रि-जंक्शन से जुड़े सीमा विवाद पर उसके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है।

दोनों देशों ने संयुक्त बयान किया साझा

संयुक्त बयान में कहा गया है, ष्भारत और भूटान सभी स्तरों पर विश्वास, सद्भावना और आपसी समझ, मजबूत संबंध और लोगों से लोगों के करीबी संपर्क की विशेषता वाले आदर्श द्विपक्षीय संबंध साझा करते हैं।

संयुक्त बयान में कहा गया कि पीएम मोदी और भूटान नरेश क्षेत्र में प्रगति और विकास के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए। बयान में गया है, ष्भूटान के राजा ने भूटान में चल रही महत्वपूर्ण सुधार प्रक्रिया पर मूल्यवान दृष्टिकोण साझा की।ष् बयान में कहा गया है कि राजा ने भूटान के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए भारत द्वारा प्रदान किए जाने वाले अमूल्य समर्थन की सराहना की।

जानकारी के अनुसार, दोनों के बीच वार्ता में, गैर-हाइड्रो नवीकरणीय ऊर्जा जैसे- सौर और पवन के साथ-साथ हरित पहलों के क्षेत्र में भारत-भूटान ऊर्जा साझेदारी का विस्तार करने पर भी सहमति हुई। साथ ही, भूटान, बांग्लादेश और भारत के बीच प्रस्तावित त्रिपक्षीय जलविद्युत सहयोग पर, दोनों पक्षों ने ऊर्जा क्षेत्र सहित अधिक से अधिक उप-क्षेत्रीय सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

नवागत कलेक्टर सुश्री हुड्डा ने पदभार के साथ ही विभिन्न विभागों का किया निरीक्षण

माही की गूंज, झाबुआ।

नवागत कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा ने पदभार ग्रहण किया। कलेक्टर कार्यालय में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमन वैष्णव, अपर कलेक्टर एस.एस मुजाल्दा, एसडीएम पेटलावद अनिल कुमार राठौर, एसडीएम झाबुआ सुनिल कुमार झा, एसडीएम थांदला तरूण जैन, डिप्टी कलेक्टर एलएन गर्ग, प्रभारी पीआरओ सुधीर कुशवाह, कार्यालय अधीक्षक श्रीमती संध्या कुलकर्णी, जिला नाजिर कमलेश जैन, स्टेनो रितेश डामोर, निज सहायक सुनिल कुमार कृष्णे अन्य जिला अधिकारी एवं कर्मचारियों ने पुष्पहार से अभिनन्दन किया।

सुश्री हुड्डा ने कलेक्टर कार्यालय के सामाजिक न्याय विभाग, जनसम्पर्क विभाग, राजस्व विभाग, महिला बाल विकास विभाग, जनजातिय कार्य विभाग, रिकार्ड रूम, भू-अभिलेख, निर्वाचन शाखा, जिला कौषालय, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, आबकारी विभाग का निरीक्षण किया तथा जिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कार्य के संबंध में चर्चा करं आवश्यक निर्देश दिये।

विगत डेढ़ वर्ष से सनातन संस्कृति का अलख जगाने एवं भक्तों के कल्याण हेतु श्री दुर्गा चालीसा का किया जा रहा पाठ

शहर के सभी साामजिक, रचनात्मक एवं सामाजिक कार्यों में भी मातृ शक्तियों की रहती है पूर्ण सहभागिता

श्री नवदुर्गा महिला मंडल समिति द्वारा पिछले डेढ़ वर्ष से माता भक्तों के निवास पर जाकर किया जा रहा श्री दुर्गा चालीसा पाठ।

माही की गूंज, झाबुआ।

शहर के हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित श्री नवदुर्गा धाम पर विगत कुछ वर्षों पूर्व श्री नवदुर्गा महिला मंडल समिति का गठन किया गया। जिसका अध्यक्ष श्रीमती अनिता जाखड़ एवं सचिव हरिप्रिया निगम को बनाया गया। इसके अलावा अन्य पदाधिकारियों के साथ संपूर्ण कार्यकारिणी गठित की गई। गठन का उद्देश्य समिति द्वारा शहर में सामाजिक, रचनात्मक एवं मुख्य रूप से धार्मिक कार्य किया जाना है। आज यह समिति पूरे शहर में प्रसिद्ध होकर समिति की मातृ शक्तियों की करीब-करीब समस्त सामाजिक, रचनात्मक एवं धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता रहती है।

समिति अध्यक्ष अनिता जाखड़ एवं सचिव हरिप्रिया निगम ने बताया कि उक्त संस्था में वरिष्ठ श्रीमती राधादेवी सोलंकी, दीपाली चैहान विनीता नायक, अरुणा तिवारी ज्योति सोनी, संतोष सोनी श्रीमती कल्पना राणे, चेतना चैहान, किरण सोनी, रितु वासुदेवा आदि सहित अन्य महिलाएं पिछले डेढ़ वर्ष से अपने नाम के अनुरूप मां नवदुर्गा की आराधना स्वरूप श्री दुर्गाजी चालीसा का पाठ भी कर रहीं है। यह पाठ उक्त मातृ शक्तियां स्वयं अपने निवास पर प्रतिदिन करने के साथ मुख्य रूप से शहर के माताजी मंदिरों और शहर के जो भी माता भक्त अपने घर पर समिति को आमंत्रित करते है। उनके निवास पर पहुंचकर यह पाठ निःशुल्क रूप से सा-आनंद एवं भक्ति भाव से किया जाता है। जिसका उद्देश्य संपूर्ण शहर में सनातन संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ श्री दुर्गा चालीसा पाठ से परिवार में सुख-समृद्धि एवं असीम शांति की भी प्राप्ति होती है।

नवरात्रि में प्रतिदिन मंदिर के साथ घर-घर किया जाता है पाठ

समिति से जुड़ी श्रीमती दीपाली चैहान एवं विनीता नायक ने बताया कि प्रायःयह दुर्गा चालीसा पाठ प्रत्येक मंगलवार को होता है। इसके अलावा प्रतिवर्ष चार नवरात्रि आती है। जिसमें गुप्त नवरात्रि, चैत्र एवं शारदेय नवरात्रि में पूरे नौ दिनों तक अलग-अलग माताजी मंदिरों में समिति की ओर से श्री दुर्गा चालीसा पाठ के अतिरिक्त घर-घर में जाकर भी विशेष रूप से यह पाठ एवं माताजी की पूजन-आरती के साथ भजन-किर्तन आदि भी किए जाते है। विगत चैत्र नवरात्रि में भी समिति ने नौ दिनों तक धर्म की अलख पूरजोर तरीके से जगाई। शहर सहित आसपास के अंचलों में जो कोई भी माता भक्त अपने निवास पर श्री दुर्गा चालीसा पाठ करवाना चाहता है, वह समिति अध्यक्ष अनिता जाखड़ से मोबाईल नंबर 78030-03001 एवं सचिव हरिप्रिया निगम से मोबाईल नंबर 97552-94399 पर संपर्क कर सकता है।

निकली हाटकेश्वर महादेव की शोभा यात्रा

माही की गूंज, थांदला।

नागर समाज के कुलदेव हाटकेश्वर महादेव की जयंती बुधवार को मनाई गई। इस अवसर पर नागर समाज द्वारा नगर में शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पालकी में सवार महादेव की प्रतिमा की पूजा कर स्वागत किया।

जानकारी देते हुए नागर समाज के अध्यक्ष सुभाषचंद्र नागर, वरिष्ठ सदस्य मणिलाल नगर, बंशीधर नागर, महेंद्र नागर ने बताया कि, हाटकेश्वर जयंती पर नागर समाज द्वारा हाटकेश्वर महादेव मंदिर से शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में समाज के सभी वर्गों ने भाग लिया। शोभायात्रा में श्रद्धालु एक जैसे परिधान पहनकर शामिल हुए। मंदिर परिसर से शोभायात्रा बोहरा गली, गवली मोहल्ला, मठ वाला कुआं, आजाद चौक, पीपली चौराहा, नयापुरा हाटबाजार, नागर मोहल्ला, सरदार पटेल मार्ग होते हुए वापस हाटकेश्वर महादेव मंदिर पहुंची। जहां पर श्रद्धालुओं द्वारा भगवान की महाआरती उतारी गई।

संगीतमय राम कथा का आयोजन

माही की गूंज, राणापुर।

भक्ति की गंगा वैशाख मास के शुभ अवसर पर राजाधिराज भगवान श्री रणछोड़राय जी के पावन सानिध्य में श्री सीताराम की परम अनुकंपा से श्री गुरु कृपा सत्संग मंडल राणापुर द्वारा आयोजित संगीतमय दिव्य कथा ज्ञान महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जिसमें डाकोर से पधारे परम पूज्य अनंत विभूषित डॉक्टर स्वामी देवकीनंदन दास जी डाकोर वाले गुरु जी द्वारा श्री राम कथा की संगीत में गंगा का वाचन किया जाएगा। जिसमें समिति द्वारा नगर के धर्म प्रेमी जनता को आमंत्रित किया गया है श्री राम कथा का आयोजन कल से शुरू होगा। इस कथा में सबसे पहले पोथी कलश यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा की शुरुआत जगदीश चंद्र लालाजी माली के निजी निवास से 11 पहुंचेगी तत्पश्चात दोपहर कथा का समय 1 से 5 बजे तक रहेगा और इस कथा की शुरुआत होगी जिसमें प्रभु श्रीराम के जीवन काल की सारी लीलाओं का वर्णन होगा और प्रभु श्रीराम के जीवनकाल पर सारी कथा का विमोचन श्री गुरु जी द्वारा किया जाएगा समिति के सभी सदस्यों ने नगर में इस कथा के आयोजन की तैयारियां जोरों शोरों से की है वह नगर की धर्म प्रेमी जनता से अनुरोध किया है कृपया अधिक से अधिक कथा पंडाल में पहुंचकर कथा का लाभ लें कथा स्थल रायण फलिया मालीपुरा राणापुर में रखा गया है।

बंद पड़े बोरवेल व कुए, बावड़ी का किया जायेगा सर्वे

माही की गूंज, झाबुआ।

मध्यप्रदेश शासन गृह विभाग मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल 4 अप्रैल के पत्रानुसार नगरीय नें आदेश जारी किया कि, ग्रामीण क्षेत्रों के ऐसे बोरवेल, जिनकी केसिंग पाईप निकाल ली जाती है, मिटटी धंसक जाने से खतरनाक हो जाते हैं। ऐसे बोरवेल में बच्चों के गिर जाने की घटनाएं हुई हैं। इसी प्रकार कुप तथा बावड़ियों के ऊपर फर्शी-गर्डर डालकर अथवा सीमेंट-क्राकीट के ऐसे निर्माण कर लिए जाते हैं जिनके धंसकने से गंभीर घटनाएं हुई हैं। इन घटनाओं में आपदा प्रबंधन की आकस्मिक परिस्थितियों निर्मित हुई जनहानि भी हुई हैं।

जिले के समस्त नगरीय निकाय तथा ग्राम पंचायतों के माध्यम से उपरोक्त प्रकार के बोरवेल तथा कुंओं/बावड़ियों के सर्वे का कार्य आगामी 30 दिवस में पूर्ण किया जाये। ऐसे भूमि स्वामी जिनकी भूमि पर उपरोक्त प्रकार के खुले बोरवेल अथवा कुआं/बावड़ी पाई जायें उन्हें सूचीबद्ध किया जाये तथा उन्हें ऐसी सरचनाओं को पूर्णतः पाटने के निर्देश दिए जायें।

निर्धारित समयावधि में उक्त कार्य पूर्ण नहीं किए जाने पर सम्बन्धित नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायत अनुविभागीय दण्डाधिकारी को लिखित सूचना देगी। के विरूद्ध युक्तियुक्त आपराधिक एवं प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की जाये।

लापरवाही बरतने पर आँगनवाडी कार्यकर्ता को सेवा से किया पृथक

माही की गूंज, झाबुआ। एसडीएम के अनुमोदन से परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास झाबुआ जिला झाबुआ म.प्र. के आदेशानुसार कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास झाबुआ के कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/बीमवा/एलबीवाय/2022-23/1162/झाबुआ, दिनांक 31 मार्च, 2023 द्वारा संजीवनी भुरिया आँगनवाडी कार्यकर्ता तड़वी फलिया नल्दी छोटी को मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना अन्तर्गत आयोजित कैम्प में अनुपस्थित रहने के संबंध में दिया गया था। 3 अप्रैल को ये पुनः कैम्प मे जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमन वैष्णव के भ्रमण के दौरान भी अनुपस्थित पाई गई थी। साथ ही विभागीय योजना जैसे लाडली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वन्दना योजना एवं बाल आर्शीवाद योजना में भी लक्ष्य की पूर्ति नहीं की गई। साथ ही पोषण ट्रैकर एप में भी की जाने वाली प्रविष्टियों में भी लापरवाही बरती गई। उक्त लापरवाही के चलते आगनवाडी कार्यकता को सेवा से पृथक करने के आदेश जारी किया।

शासन ने जो दायित्व दिए हैं, उसे समय पर पूर्ण करे- कलेक्टर सुश्री हुड्डा

माही की गूंज, झाबुआ। नवागत कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा ने जिला अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में जिला अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और विभागीय अधिकारियों से विभाग से संबंधित प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। बैठक में सुश्री हुड्डा ने कहा कि मैं आपसे अपेक्षा करती हूं कि शासन ने जो दायित्व हमें दिए हैं उसे समय सीमा में एवं सही ढंग से पूर्ण करें।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमन वैष्णव, एसडीएम एसएस मुजाल्दा, डिप्टी कलेक्टर एलएन गर्ग एवं समस्त जिलाधिकारी उपस्थित थे।

आज होगी समस्त योजनाओं की समीक्षा बैठक

माही की गूंज, झाबुआ।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत झाबुआ के पत्र अनुसार ग्रामीण विकास विभाग की समस्त योजनाओं की समीक्षा बैठक आज 3 बजे कलेक्टर सभाकक्ष में कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा की अध्यक्षता में आयोजित की जायेगी।

बैठक में कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, कार्यपालन यंत्री पीएचई झाबुआ, परियोजना अधिकारी मनरेगा/आवास, डीपीएम एनआरएलएम, जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन, जिला पंचायत झाबुआ, प्रभारी अधिकारी पंचायत प्रकोष्ठ/ लाडली बहना योजना/महिला बाल विकास विभाग एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत झाबुआ /पेटलावद /मेघनगर /रामा /रानापुर /थांदला जिला झाबुआ निर्धारित तिथि एवं समय पर विस्तृत जानकारी के साथ उपस्थित रहेगे।

अखंड रामायण पाठ व मारुति यज्ञ के बाद होगी पूर्णाहुति

माही की गूंज, सारंगी।

आज खेड़ापति हनुमान जी मंदिर पर हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर खेड़ापति हनुमान जी मंदिर एवं श्री गणेश सुंदरकांड मंडल समिति द्वारा दो दिवसीय आयोजन किए जाएंगे। कार्यक्रम की शुरुआत बुधवार को अखंड रामायण पाठ के साथ की व आज हनुमान जन्मोत्सव पर मारुति यज्ञ किया जायेगा। यज्ञ के बाद महा आरती एवं महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। वही गंगाजल कुआं हनुमान जी मंदिर, पंचमुखी हनुमान जी मंदिर, डाबड़ी फटा हनुमान जी मंदिर, टीमरिया हनुमान जी मंदिर पर हनुमान जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा।

खेड़ापति हनुमान मंदिर पर करीब 40 वर्षों से हनुमान जन्मोत्सव का कार्यक्रम किया जा रहा है। हनुमान जन्मोत्सव समिति के द्वारा बताया गया कि, रामायण पाठ पूरा होने के बाद महा आरती की जायेगी। उसके बाद महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा।

टेंपो-बाईक की टक्कर, पति-पत्नी गंभीर घायल

माही की गूंज, बनी। बुधवार को दोपहर ग्राम बनी में पम्पावती तालाब के पुलिया पर मैजिक टेंपो और मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 46 एम 3354 के आमने-सामने टक्कर होने से मोटरसाइकिल सवार दंपत्ति को गंभीर चोट आई है। जिन्हें रायपुरिया पुलिस के द्वारा 108 की सहायता से सिविल अस्पताल पेटलावद भेजा गया। मौके पर पुलिस द्वारा मैजिक टेंपो और मोटरसाइकिल को अपने कब्जे में लिया लिया।

108 कुंडीय अति महायज्ञ की तैयारी शुरू

माही की गूंज, झकनावदा।

पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध तीर्थ सिंघेश्वर धाम झकनावदा-भेरूपाडा में 06 मई से 12 मई तक आयोजित होने वाले 108 कुंडीय अति महायज्ञ का आयोजन होना है जिसकी धर्म ध्वजा 24 मार्च को स्थापित हो चुकी है। आयोजन को लेकर मन्दिर और आयोजन समिति द्वारा तैयारियां शुरू की जा चुकी है । मन्दिर के रंग रोगन के साथ साथ विशाल यज्ञ पांडाल बनाने का कार्य शुरु हो चुका है । समिति के महेंद्र राठौर ने बताया कि आयोजन को लेकर लगातार क्षेत्र सहित धार जिले में बैठकों का आयोजन कर प्रचार प्रसार किया जा रहा है और 108 कुंडीय यज्ञ में बैठने वाले जजमानों को तैयार किया जा रहा है । महेंद्र राठौर ने बताया कि आयोजन अभूतपूर्व होने वाला है इसमें कई बड़े बड़े साधु संत उपस्थित होकर आयोजन की सोभा बढ़ाएंगे। मन्दिर के गादीपति श्री रामेश्वरगिरी जी महाराज ने बताया कि पूरे क्षेत्र में पहला बड़ा धार्मिक आयोजन होने जा रहा है जिस सफल बनाने के लिए सभी को सहयोग करना है ।

लोगों की पीढ़ियां खप गई नाम लिखवाने में, यहां प्रशासन डेकोरम के झंसे में आकर लिख रहा निजी संस्थानों के नाम

नगर में सार्वजनिक स्थानों के लगातार हो रहे निजी नामकरण

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

किसी मार्ग, स्थान, भवन या फिर किसी स्थान का नाम किसी व्यक्ति या संस्था के नाम पर रखने या बदलने के लिए लंबी लड़ाइयां लड़नी पड़ती है या ऐसे कार्य करना होते है जो आपकी पहचान के साथ-साथ देंखने-सुनने वालों के लिए कोई सीख या सबक दे जाये। आज़ादी से लेकर आज तक कई ऐसे महान लोग रहे है जिनका इतिहास में कोई जिक्र नही ओर कई ऐसे नाम भी है जो आज तक उपलब्धि पाने के लिए पीढ़ियों से संघर्ष कर रहें है। अक्सर सरकारी भवनों, सरकारी सार्वजनिक स्थानों, मार्गो, चौराहों आदि का नाम ऐसी ही विभूतियों के नाम पर किया जाता है जिन्होंने देश के अपने क्षेत्र, समाज के लिए कुछ किया है लेकिन बदलते स्वरूप ने शासन की इस मानसिकता की स्थानीय स्तर पर स्वयं के निर्णय पर छोड़ दिया। शायद इसलिये डेकोरम ओर दिखावे के झांसे में आकर सार्वजनिक स्थानों ओर किसी की भी नेम प्लेट चिपकाने की खुली छूट दे दी। शायद वर्तमान में इसका इतना प्रभाव देखने को नही मिले, लेकिन भविष्य की आने वाली पीढ़ियों के सामने सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा हुए ये नाम ही थोप दिए जायेंगे। उनका इतिहास सिर्फ इतना होगा कि, तत्कालीन अधिकारी का किया हुआ है बस...? विगत दिनों जिले के पूर्व कलेक्टर भी अपने अल्प कार्यकाल में नगर को ऐसी एक अनचाही सौगात दे गई जिसकी उम्मीद किसी ने नही की थी। एसडीएम कार्यालय भवन के सामने खाली पड़े परिसर को एसडीएम अनिल कुमार राठौर ओर स्थानीय सरकारी एजेंसियों के माध्यम से चमका रहे है, जिसका दौरा पूर्व कलेक्टर राजनिसिंह ने किया और बाद में पीआरओ ने इस दौरे को लायंस उघायान बताया। जारी प्रेस रिलीज में भी इस सरकारी स्थान को लाइंस उघायान ही बताया गया। सवाल खड़े भी हुए लेकिन कोई सफाई पेश नही की गई न ही इस बड़ी भूल को सुधारा गया और नगर के बीचों-बीच एक निजी संस्था का नाम बिना किसी कारण चस्पा कर दिया गया। इसी परिसर में लगा शहीद स्मारक भी इसके पूर्व जीर्णोद्धार के नाम पर निजी परिवार का लगभग बन चुका था। बकायदा जीर्णोद्धार करने वाले ने अपने परिवार का शिलालेख इस स्मारक के बीचों-बीच चस्पा कर दिया जिसे विरोध के बाद हटाया गया, लेकिन परिवार विशेष का पत्थर आज भी स्मारक के आगे खड़ा है।

नगर के मुख्य चौराहे सहित कई स्थानों पर नाम लिखकर कब्जा करने जा प्रयास किया जा रहा है। नगर में कई स्थान ऐसे है जहां नगर को सुंदर बनाने, सुविधा देने या फिर आज़ादी का महोत्सव को यादगार बनाने के नाम पर सार्वजनिक स्थानों का नाम निजी संस्थानों के नामकरण कर सरकारी और सार्वजनिक स्थानो पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन और एजेंसी बिना किसी प्रस्ताव के ऐसी संस्थाओं का नामकरण कर दिए गए, जो निकट भविष्य में नगर की पहचान बन सकते है।

पैसा एक्ट लगने के बाद भी आदिवासी जन नायकों के नामकरण के लिए संघर्ष

जिले में पैसा एक्ट लागू हो चुका है, उसके साथ ही देखने मे आ रहा है की कई आदिवासी संगठन सरकारी भवनों का नाम आदिवासी जननायकों के नाम पर रखने की मांग की जा रही है, तो कई जगह आदिवासी संगठनों को संघर्ष करना पड़ रहा है। उसके उलट नगरीय क्षेत्रों में डोकोरम वाली संस्थाओं को कभी भी कही भी नाम चिपकाने का अधिकार दे दिया जाता है।

जप-तप,यज्ञ के साथ मनेगा जन्मोत्सव

माही की गूंज, थांदला।

विधार्थी हनुमान आश्रम फलिया।

खेड़ापति हनुमान मंदिर खजुरी।

हनुमान जन्मोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह है। जन्मोत्सव पर नगर के विभिन्न हनुमान मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रम होंगे। आयोजनों को लेकर मंदिरों में तैयारियां की जा रही है। नगर के कुछ मंदिरों में भंडारे का आयोजन होगा, वही सभी हनुमान मंदिरों में महाआरती, श्रृंगार, भजन आदि आयोजन होंगे।

जानकारी देते हुए खेड़ापति हनुमान मंदिर खजूरी के पुजारी रायसिंह वसावा और पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष बंटी डामोर ने बताया कि, प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन किया जाएगा। भंडारे में प्रदेश सहित समीपस्थ राज्य राजस्थान और गुजरात के लोग भी शामिल होंगे। अनुमान है कि, उक्त भंडारे में अधिक से अधिक श्रद्धालु शामिल होंगे। वही आज हनुमान जयंती पर प्रतिमा का आकर्षक श्रृंगार और महाआरती का आयोजन भी किया जाएगा।

विद्यार्थी हनुमान मंदिर के पुजारी दिलीप चौहान ने बताया कि, हनुमान जन्मोत्सव पर मंदिर परिसर और प्रतिमा का आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा। वहीं पूरे दिन धार्मिक कार्यक्रम चलेंगे।

नगर के समीप ग्राम देवीगढ़ घाटी पर स्थित नवीन हनुमान मंदिर पर भी धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। नवीन मंदिर होने और इन दिनों देवीगढ़ में स्वयंभू माता का मेला लगने से श्रद्धालुओं में हनुमान जन्मोत्सव पर विशेष उत्साह है। नगर के अति प्राचीन हनुमान अष्ट मंदिर पर हनुमान जन्मोत्सव पर श्री हनुमान सहस्त्रनाम, यज्ञ, पूर्णाहुति, जन्मोत्सव आरती, 2100 दीपदान और स्व आधारित राष्ट्र के नवोत्थान का संकल्प हेतु सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ (11,000) आयोजित किया जा रहा है। समिति ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया है कि, हनुमान चालीसा पाठ हेतु वे अपना नाम और मोबाइल नंबर के साथ पंजीयन करवा लेंगे।

चार धाम यात्रा के लिए 25 जोड़ें हुए रवाना

माही की गूंज, सारंगी।

उत्तराखंड की चार धाम यात्रा केदारनाथ, बद्री विशाल, यमुनोत्री, जमनोत्री, गंगोत्री एवं 12 ज्योतिर्लिंग दर्शन करने के लिए सारंगी से 25 जोड़ें बस से नगर के सभी मंदिरों में दर्शन कर खुशी-खुशी रवाना हुए।

पूरे नगर में ढोल धमाकों के साथ सभी तीर्थ यात्रियों का भव्य स्वागत कर जुलूस निकाला गया। यात्रियों ने ओमकारेश्वर भोलेनाथ मंदिर, गायत्री माताजी मंदिर, बस स्टैंड माताजी एवं खेड़ापति हनुमान जी के दर्शन कर बस में बैठकर रवाना हुए। सभी तीर्थ यात्रियों देव रुंडी स्थित पथवारी माता की सामूहिक रूप से पूजन कर वहां से सभी तीर्थ यात्री पाटीदार समाज की धर्मशाला में पहुंचे, पाटीदार समाज द्वारा सामूहिक भोज का आयोजन भी किया गया। इस आयोजन में नगर के सभी समाज वर्गों के लोगों ने भाग लेकर तीर्थ यात्रियों का भव्य स्वागत किया एवं मंगल यात्रा की शुभकामनाए दी। तीर्थयात्री दल का स्वागत नगर पत्रकार संघ की ओर से नगर अध्यक्ष संजय उपाध्याय द्वारा स्वागत कर तीर्थ यात्रा की हार्दिक शुभकामनाएं दी। सभी तीर्थ यात्रियों का सारंगी के सभी समाज वर्ग, श्री गणेश सुंदरकांड मंडल, मां गायत्री परिवार, मां गायत्री महिला मंडल, महाकाल ग्रुप, श्याम सेवा परिवार, सारंगी मित्र मंडल एवं सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों द्वारा किया गया।

माही की गूंज, खवासा।

रवि फसल के साथ ही किसान वर्ग बारिष होने तक कुछ राहत मिलती है और इसी राहत का उपयोग कर ढाई से तीन माह की यात्रा हेतु घर के बड़े एंव बुर्जग वर्ग चार धाम यात्रा के लिए ट्रेवल्स ऐजंसी के माध्यम से जाने का सिलसिला प्रतिवर्ष रहता है इसी कढी सोमवार को 20 से उपर जोडे 4 धाम यात्रा के लिए रवाना हुए। वही बुधवार को भी बड़ी सख्या में 4 की धाम यात्रा करने हेतु एक जत्था निकला सभी यात्रार्थी ने ग्राम के सभी लोगो से मिलते और छोटो को आशिवार्द देते और बडो का आर्शिवाद लेते साथ ही ग्रांम के सभी मंदिरो में दर्शन करने के साथ तेजाजी मंदिर के पीछे स्थित पंथवारी माता जी की पुजा करने के साथ सभी यात्रार्थी चार धाम की यात्रा करने के लिए रवाना हुए। वही सभी यात्रार्थी को सामोहिक रूप से बेंण्ड बाजो के साथ परिवार जनो ने बड़े उत्साह के साथ उन्हे यात्रा के लिए रवाना किया।

बड़े नुकसान के बाद भी नहीं डगमगाए कदम, अंकित सेंचा ने बताया जीवन अनमोल

आगजनी में दुकान जल कर हुई थी खाख, लाखों का हुआ था नुकसान

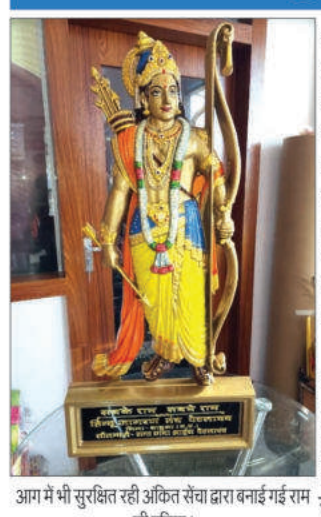
आग में भी सुरक्षित रही अंकित सेंचा द्वारा बनाई गई राम जी प्रतिमा।

माही की गूंज, पेटलावद।

वर्तमान में आये दिन अखबारों और मीडिया में एक खबर आम है, जिसमे जीवन की परेशानियों से जूझ रहे लोग अपनी जीवन लीला समाप्त कर अपनी परेशानियों से भाग जाते है, लेकिन जीवन अनमोल है और कोई भी क्षति जीवन से बढ़कर नही होती। जिंदगी जिंदादिली से जीना ही, वास्तविक जीवन है। व्यक्ति का छोटा सा नुकसान भी उसे कई दिनों तक मानसिक रूप से परेशान करता है और वो सब उसकी भाषा, व्यवहार और चहरे से झकल ही जाता है।

नगर में गत माह के अंत मे हुई एक घटना के बाद बड़ी त्रासदी से गुजरे युवा अंकित सेंचा ने लोगो के सामने ऐसा उदाहरण पेश किया, जिसको देख कर हर कोई प्रेरणा ले रहा है और वास्तव में अंकित सेंचा से प्रेरणा लेने लायक भी है। कुछ दिन पुर्व नगर के बामनिया रोड स्थित संत छाया आर्ट पर देर रात शार्ट सर्किट से हुई आगजनी से सब कुछ स्वाहा हो गया। नुकसानी का आकलन लाखों में आका गया, क्योंकि दुकान में महँगी मशीनें थी जो जल कर खाख हो गई। नुकसान एक मध्यम परिवार के लिए काफी बड़ा था और हर व्यक्ति की सिम्पेथी अंकित के साथ थी जो लोगो ने मिलकर ओर सोशल मीडिया के माध्यम से व्यक्त की। गोभक्त ओर व्यवहार कुशल अंकित को हुई नुकसानी के लिए उनके मित्रो ने भी हाथ बढ़ाये। जिस तरह की नुकसानी हुई थी उससे अंकित के टूटने का आभास उनके करीबीयो को था, क्योंकि नुकसान के साथ-साथ उसी स्तर से व्यापार शुरू करने के लिए लाखों का खर्च और करना था। इन सब के बीच भारी नुकसानी के बाद भी अंकित ने चेहरे पर कोई शिकन तक नही आने दी और भगवान की मर्जी बताकर इस नुकसानी को पार्ट ऑफ लाइफ बताकर नई शुरूआत करने की बात कही। आगजनी के अगले दिन सामान समेटेने के बाद नगर में रामनवमी पर आयोजित आयोजन में पूरे उत्साह के साथ मित्रो के साथ शामिल होकर खुद की बनाई राम जी प्रतिमा जो कि, इस आगजनी के बाद भी सुरक्षित रही उसे आयोजन में आये और राम जी का रोल अदा करने वाले अरुण गोविल को स्वयं मंच पर पहुँच कर राम जी प्रतिमा भेंट की। इस दृश्य के बाद शायद नगर का हर व्यक्ति अंकित के साथ हुई त्रासदी को भूल गया होगा और जीवन मे आई बड़ी से बड़ी परेशानी के साथ किस तरह खड़े होकर सामना करना है ये सबक अंकित सेंचा ने भरे मंच पर इस घटना के बाद उपस्थित होकर बड़ा मैसेज उन युवाओं को दिया जो छोटी-बड़ी परेशानियो को अपने जीवन के अंत का कारण बना लेते है। माही की गूंज ऐसे युवाओं को सेल्यूट करता है जो ऐसी विकट परिस्थितियों में डट कर मुकाबला करना सिखाते है।

बडी नुकसानी के बाद उससे उभर कर तीसरे ही दिन शामिल हुए और अतिथि को भेंट की राम जी की प्रतिमा।

सूदखोरी का मामला पहुंचा कलेक्टर के पास

सूदखोर ने सेवानिवृत्त के 15 लाख रुपये डलवा लिए अपने खाते में

माही की गूंज, रतलाम।

धोखाधड़ी और ब्याजखोरी के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे है जो प्रशासन और पुलिस के पास लगातार पहुंच रहे है। ऐसे ही दो अलग-अलग मामले कलेक्टर के पास पहुंचे हैं। ये दोनों मामले पिछले दिनों पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज किए गए सूदखोर सतवानी बन्धुओ के खिलाफ ही आये है। पहला मामला रेल नगर निवासी राहुल कलोसिया का है। जिन्होंने मकान बनाने के लिए पैसे और अपने नाम से लोन करवा कर राशि दी, लेकिन पैसे लेने वाले ने अपने आप को पुलिस कर्मी बता कर मदद करने वाले को चपत लगा दी।

बताया जाता हैं कि, अमानत में खयानत करने वाला पुलिसकर्मी नीलेश अमजेरिया भी रेल नगर का रहवासी है, जो पैसे वापस मांगने पर पुलिस का पहचान पत्र दिखाकर धमकी देने लगा है। अपने पैसों की वापस मांग कर फरियादी राहुल कलोसिया ने बताया पैसे देने को कहते है तो नीलेश अमजेरिया पुलिस होने के कारण तरह-तरह की धमकियाँ देता है। जबकि दूसरा मामला सर्वोदय नगर निवासी सेवानिवृत्त मदनलाल बौरासी, शकुंतला बौरासी ने इंद्रा नगर निवासी ब्याजखोर राधा किशन सतवानी (अध्यक्ष सिंधी समाज रतलाम), गौरव सतवानी, ठाकुरदास सतवानी, नीरज सतवानी, किशोर मोतियानी के खिलाफ शिकायत कलेक्टर को की है। फरियादी मदनलाल बौरासी ने बताया, 2010 में बेटे के विवाह में ढाई लाख रुपये लिए थे। तब ब्याजखोर ने हस्ताक्षर किए हुए कोरे 5 चेक और एटीएम कार्ड लिए थे। मूल राशि मय ब्याज की पुरी होने के बाद भी और पैसा बकाया होना बताकर चेक और एटीएम नही लौटा रहा है जो अब धोक्का कर रहा है। इतना ही नहीं ब्याजखोर सतवानी ने फरियादी के सेवानिवृत्त होने पर 15 लाख रुपए की राशि भी अपने बेटे के एकाउंट में डलवा दिए थे। इस ब्याजखोर सतवानी के मामले पहले भी कलेक्टर के पास पहुंचे थे। मंगलवार को कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने इस मामले को एएसपी सुनील पाटीदार के पास भिजवा कर कार्यवाही के निर्देश दिए।

इस संबंध में कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि, सतवानी के खिलाफ पहले भी निगम की सफाईकर्मी महिला ने शिकायत की थी। उस समय कार्यवाही की गई थी। आज फिर एक प्रकरण आया है, सतवानी ने दी राशि तो वसूली कर ली लेकिन फरियादी की सेवानिवृत्त पर मिली 15 लाख रुपए की राशि अपने खाते में डाल ली, पुलिस को मामला भेज दिया है, मेरी एसपी साहब से बात हो गई हैं। वही सुनिल पाटीदार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतलाम ने कहा कि, सतवानी के खिलाफ पहले भी कार्यवाही की थी, आज फिर मामला आया है, जांच कर पुलिस कार्यवाही कर रही हैं।

संपादकीय

चीन ने चली पुरानी चाल

भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश के अंदर स्थित 11 स्थानों के नाम बदलने की चीनी सरकार की घोषणा हालांकि सांकेतिक है, लेकिन इसकी टाइमिंग अहम है। यह घोषणा ऐसे समय की गई है, जब कुछ सप्ताह बाद ही शंघाई कोऑपरेशन संगठन (ब्व) के सम्मेलन में सदस्य देशों के रक्षा मंत्री शामिल होने वाले हैं।

इसके लिए चीनी रक्षा मंत्री ली शांगफू भी भारत आने वाले हैं। यही नहीं,ब्व् बैठक के ही सिलसिले में अगले महीने चीनी विदेश मंत्री चिन गांग और जून में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग का भी भारत दौरा तय हो चुका है। ऐसे में स्वाभाविक ही भारत सरकार इस मसले को ज्यादा तूल नहीं देना चाहती। भारत सरकार की तरफ से तत्काल इस पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया भी नहीं जताई गई, लेकिन इससे दोनों देशों के रुख पर कोई फर्क नहीं पड़ता। चीन सरकार भारत के अरुणाचल प्रदेश को साउथ तिब्बत कहती और उस पर अपना दावा जताती रही है। इस दावे को भारत स्वीकार नहीं करता, लेकिन अपनी तरफ से इसे रेखांकित करने के लिए चीन विभिन्न स्थानों को चीनी नाम देने का प्रयास करता रहता है। हाल के वर्षों में यह उसकी तीसरी ऐसी कोशिश है। इससे पहले भारत उसकी इन कोशिशों को खारिज कर चुका है।

जाहिर है, इसका जमीनी हकीकत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला। ये इलाके भारत का अभिन्न हिस्सा हैं और बने रहेंगे। मगर विशेषज्ञों के मुताबिक इसके पीछे चीन की यह मंशा हो सकती है कि अगर कभी ये दावे इंटरनैशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस में आए तो वहां वह अपने दावे को मजबूती देने के लिए इन कथित सबूतों का इस्तेमाल कर सके। गौर करने की बात यह भी है कि ऐसे हथकंडे चीन सिर्फ भारत के मामले में नहीं अपना रहा। साउथ चाइना सी और ईस्ट चाइना सी में भी उसने ऐसा ही किया है। मगर फिलहाल इन सांकेतिक कदमों में उलझने के बजाय यह देखने की जरूरत है कि चीनी नेताओं की आगामी भारत यात्राओं का इस्तेमाल करते हुए क्या दोनों देशों के बीच जारी तनाव को कम करने की कोई राह निकाली जा सकती है। ध्यान रहे, जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के रिश्तों में जो गिरावट आई और विश्वास का जो संकट पैदा हुआ, वह अभी तक कायम है। इस बीच सैन्य और राजनयिक स्तर की कई दौर की बातचीत के जरिए विवाद के कई बिंदु सुलझाए गए, लेकिन सीमा पर दोनों तरफ सेना की बड़ी संख्या में तैनाती अभी भी बनी हुई है। यह स्थिति किसी के लिए भी फायदेमंद नहीं है। अगर दोनों तरफ से विश्वास बहाली की दिशा में उपयुक्त कदम उठाए जाएं और इसका प्रभावी मैकेनिज्म बन जाए तो मतभेदों और विवादों के बीच भी सीमा पर शांति बनाए रखी जा सकती है, यह खुद इन दोनों देशों के रिश्तों का इतिहास साबित करता है। फिलहाल दोनों देशों को इसी लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

सनत जैन

कर्ज-ब्याज और बढ़ते टैक्स से कारोबारी और उद्योगपति मुसीबत में

केंद्र सरकार ने 31 मार्च को नई विदेश व्यापार नीति घोषित की है। इस नीति के तहत अब बिना गारंटी के 5 करोड रुपए तक का लोन एमएसएमई सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों को, बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थाओं से उपलब्ध कराया जाएगा। इसकी गारंटी सरकार लेगी। अभी इसकी अधिकतम सीमा 2 करोड़ों रुपए की थी। इसे बढ़ाकर 5 करोड़ कर दिया गया है। केंद्र सरकार का मानना है, कि क्रेडिट गारंटी योजना में सुधार करने से और लिमिट बढ़ाने से देश में सूक्ष्म लघु एवं मध्यम इकाइयों को इसका लाभ मिलेगा।

कुछ राज्य सरकारें, ब्याज अनुदान देकर इस तरह की इकाइयों की मदद भी करती हैं। केंद्र सरकार ने नई विदेश व्यापार नीति घोषित की है। इसमें पहली बार छोटे निर्यातकों को सरकार ने शामिल किया है। यह केंद्र सरकार का एक अच्छा कदम है। अभी छोटे निर्यातक सामान को विदेशों में कोरियर के माध्यम से भेजते थे। उन्हें 18 फीसदी का जीएसटी चुकाना पड़ता था। नई नीति की जो घोषणा सरकार ने की है। उसमें अब छोटे ई कामर्स निर्यातकों को मुख्य श्रेणी में शामिल किए जाने के कारण,अब छोटे निर्यातकों को इसका लाभ मिलेगा। भारत की संस्कृति,कला, भारतीय व्यंजन, मसाले, भारत में विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग तरीके से जो चीजें तैयार की जाती हैं। उनकी विदेशों में बड़ी मांग है। इसमें करोड़ों अरबों रुपए का व्यवसाय नहीं होता है लेकिन इसमें लाखों लोग लाखों एवं करोड़ों रुपए का निर्यात आसानी से कर पाएंगे। नई नीति में अब उन चीजों का निर्यात आसानी के साथ छोटे-छोटे कारोबारी और निर्माता कर सकेंगे।

सरकार पिछले कई वर्षों से युवाओं को लोन बाँटकर कर्ज के मकड़जाल में फंसा रही है। सरकार की नीतियां, लाइसेंस प्रणाली, माल की उपलब्धता, महंगी बिजली, महंगा परिवहन,छोटी और मध्यम इकाइयों के लिए सबसे बड़ी मुसीबत पैदा करती है। इसमें जब चाहे तब उत्पादन लागत में वृद्धि हो जाती है। उनके बनाए हुए सामान एवं सेवाओं की मूल्यों में कोई वृद्धि नहीं होती है। युवा उद्यमी लोन लेकर एक ऐसे मकड़जाल में फंस जाते हैं, जिससे वह बाहर नहीं निकल पाते हैं। लोन नहीं चुका पाने की दिशा में वित्तीय संस्थान जिस तरीके से उद्यमियों पर हर माह वसूली का दबाव बनाते हैं। उससे पिछले वर्षों में सैकड़ों उद्यमियों की आत्महत्या करने की बात भी सामने आई है। बिना गारंटी के जो लोन दिया जा रहा है। इकाइयों से हर साल एक बड़ा प्रीमियम बैंकों द्वारा बीमा कंपनी के नाम पर वसूल किया जा रहा है। सक्षम परिवार, बड़ी पहुंच वाले या राजनीतिक दलों से जुड़े हुए लोगों को ही इस तरह का लोन मिल पाता है। यह भी शिकायतें बड़ी मात्रा में सुनने को मिलती हैं, कि लोन वितरण में पारदर्शिता या कार्यकुशलता का कोई पैमाना नहीं है। बिना गारंटी के लोन मे बड़े पैमाने पर घोटाले की बातें भी सामने आ रही है। बैंकों के मैनेजर की मिली भगत से कागजों में योजना बनाकर बैंक लोन दे रहे हैं। लोन देने के बाद ना तो उनकी किस्तें आती हैं, ना ही वह उद्यमी अस्तित्व में नजर आते हैं। बिना गारंटी के लोन को लेकर बड़े स्तर पर घोटाले होना शुरूहो गए हैं। जो उद्यम वास्तव में काम कर रहे हैं, वह सरकारी नीतियों तथा बढ़ती महंगाई के बोझ से परेशान होकर असफल हो रहे हैं। उद्यमियों का कहना है, कि कर्ज को लेकर सरकार को इस तरह की नीतियां बनाना चाहिए, जिससे लघु एवं मध्यम वर्ग आसानी के साथ अपने कार्यों को कर पाएं। नीतियों में स्थिरता हो। लघु एवं मध्यम इकाइयों के लिए,सामान, बिजली, कच्चा माल, और परिवहन का खर्च लगातार बढ़ता जाता है। उसको नियंत्रित कर दिया जाए, तो बड़ी तेजी के साथ भारत में एमएसएमई सेक्टर भारत की अर्थव्यवस्था को बुलंदियों में पहुंचा सकता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था के बाद,छोटे निर्यातक बहुत बड़ी भूमिका अदा करने में सक्षम है। ऐसी स्थिति में उन्हें विदेशों में माल भेजने, विदेशों में उन्हें संरक्षण देने, जैसी नीतियां सरकार को बनानी होगी। जो माल विदेश भेजा जा रहा है। यदि उसमें आर्थिक मदद की जरूरत है, बैंक उसको फाइनेंस आसानी के साथ करे। जिस तरह की योजनाएं और नीतियां बन रही हैं। उसमें सूक्ष्म लघु एवं मध्यम इकाइयों का विकसित हो पाना बहुत मुश्किल है। पिछले वर्षों में इस तरीके की जिन इकाइयों को आर्थिक सहायता दी गई है। उनमें से 70 फीसदी इकाइयां बंद हो चुकी हैं,लोग डिफाल्टर हो गए हैं। वित्तीय संस्थानों की भी आर्थिक स्थिति कमजोर हुई है। फिर भी छोटे निर्यातक अपना व्यवसाय विदेशों में कर सकें। इसके लिए 18 फीसदी जीएसटी से जो छूट दी गई है। यहसरकार का स्वागत योग्य कदम है।

उधार की जिंदगी : सरकार भाड़े... राजनीति भाड़े... राजनेता जलेबी झाड़े...?

आजकल राजनीति में भी आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया का बोलबाला है, केंद्र से लेकर राज्य तक की लगभग सभी सरकारें इसी लीक पर चल रही है, आज यह सभी सरकारें ना राजनीतिक रूप से सुदृढ़ है और ना ही आर्थिक रूप से, हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट से जहां केंद्र सरकार के जीएसटी संग्रह में काफी इजाफा उजागर हुआ है, वही तिमाही में केंद्र की देनदारी में भी वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है, यही स्थिति राज्य सरकारों की भी है, यदि हम हमारे मध्यप्रदेश की ही बात करें, तो हमारे इस चुनावी साल में सरकारी खर्च बढ़ने से काफी विकट स्थिति पैदा होगी और हमारे राज्य के खर्च की बात तो छोड़िए सिर्फ कर्ज चुकाने के लिए भी लेना पड़ेगा, करीब 55000 करोड़ का कर्ज। यही स्थिति करीब-करीब हर राज्य की है देश का कोई ऐसा राज्य नहीं है जो आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ होकर कर्ज मुक्त हो? फिर वह चाहे किसी भी राजनीतिक दल द्वारा संचालित क्यों ना हो?

हमारे मध्य प्रदेश की स्थिति तो यह है कि राज्य के कुल बजट के मुकाबले 21: ज्यादा राज्य सरकार पर कर्ज है और यदि हम हमारे पड़ोसी कांग्रेस शासित राज्य राजस्थान की बात करें तो वह राज्य अपने शिक्षा के बजट का महज 14 फीसदी खर्च करके 10 राज्यों में पांचवें क्रम पर है और इसी राज्य पर सबसे अधिक उधारी है। मध्यप्रदेश जिसमें कुछ ही महीनों बाद चुनाव होना है इस पर विकास कार्यों का इतना दबाव है कि इसे विगत 3 महीनों में ही 6 बार कर्ज लेना पड़ा है। इसने इस साल के प्रारंभ में जनवरी में दो हजार करोड़, फरवरी के प्रारंभ में 3000 करोड़,, फरवरी के मध्य में फिर 3000 करोड़, फरवरी के तीसरे हफ्ते में फिर 3000 करोड़, फरवरी के आखिरी हफ्ते में फिर 3000 करोड़, इसके बाद मार्च के पहले हफ्ते में फिर 3000 करोड़ का कर्ज लिया। राज्य के नए वित्तीय वर्ष का बजट 3.14 लाख करोड़ रुपए है और 3.23 लाख करोड़ राज्य सरकार की देनदारियों है, जिसका 18445.91 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान ब्याज के रूप में हो रहा है, इसके साथ मजे की बात यह है कि राज्य सरकार ने 2021-22 वित्तीय वर्ष में 39000 करोड रुपए खर्च ही नहीं किए और जहां तक केंद्र का सवाल है वह राज्यों को उनके अधिकार की विकास राशि तक का भुगतान नहीं कर पा रहा है, केंद्र प्रायोजित योजनाओं के लिए केंद्र ने मध्यप्रदेश को ही करीब 50 फीसदी राशि का भुगतान नहीं किया। मध्य प्रदेश सहित करीब करीब सभी राज्यों की आर्थिक स्थिति ऐसी विकट है कि वह कई बार अपने कर्मचारियों को मासिक वेतन का भुगतान नहीं कर पाते। करीब करीब सभी राज्य भारी आर्थिक संकट और कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं।

यह तो हुई सरकार के भाड़े पर होने की बात अब यदि हम मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों की राजनीति की बात करें तो वह भी भाड़े पर अर्थात किसी के एहसानों के बोझ तले दबी हुई है, हम दूर कहां जाएं, हमारे मध्य प्रदेश की ही बात करें तो यहां की शिवराज सरकार के बनने की कहानी किससे छुपी हुई है। विगत 4 साल 5 माह पहले हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को बहुमत मिला था, कांग्रेस की सरकार कमलनाथ जी के नेतृत्व में बनी थी और कांग्रेसी विग्रह के कारण सरकार शिवराज जी की झोली में आ गई थी, कांग्रेस से नाराज ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने दो दर्जन समर्थक विधायकों से दलबदल करवा कर कमलनाथ को सत्ता से बाहर कर शिवराज की सरकार बनवा दी थी और स्वयं भी केंद्र में मंत्री बन गए थे। अर्थात यहां आर्थिक के साथ राजनीतिक रूप से भी भाड़े की सरकार चल रही है, यही स्थिति अन्य पड़ोसी राज्यों की भी राजनीतिक रूप से है, जहां की सरकारें बहुमत पर नहीं समझोतो पर टिकी हुई है।

ओम प्रकाश मेहता

अब रही बात राजनेताओं की तो वे भाड़े की सरकार और भाड़े की राजनीति के बल पर सत्ता की जलेबी झाड़ रहे हैं और उन्हें इससे कोई रोकने वाला नहीं है। इसी तारतम्य में यदि लोकतंत्र का आधार स्तंभ लोक अर्थात आम मतदाता की बात की जाए तो अब उसके मत का भी कोई महत्व नहीं रहा, क्योंकि वह मत किसे दे रहा है और सत्तासीन कौन हो रहा है? इस प्रकार इस जगत प्रसिद्ध कहावत घर भाड़े, दुकान भाड़े, छोरा-छोरी जलेबी झाड़े के आधुनिक स्वरूप में प्रजातंत्र का भी जमकर मजाक उड़ाया है।

भाजपा एवं भारत

शिव प्रकाश

भाजपा एवं भारत (लेखक - शिव प्रकाश

देश में राष्ट्रवाद, गरीब कल्याण, भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण, पारदर्शिता का आचरण करते हुए कांग्रेस के सम्मुख विकल्प प्रस्तुत करने के लिए डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में भारतीय जनसंघ की स्थापना हुई। भारतीय राजनीति के मूर्धन्य विद्वान पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा एकात्म मानववाद का वैचारिक आधार देकर जिसको पोषित करने का कार्य किया। अपने जन्म से सतत वृद्धि की ओर अग्रसर लोकतंत्र की रक्षा के लिए आपातकाल के समय जनता पार्टी में विलीन हो गया।

6 अप्रैल 1980 को मुंबई सागर तट पर अटल गर्जना के साथ अँधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा के संकल्प के साथ भारतीय राजनीतिक क्षितिज पर नई पार्टी भारतीय जनता पार्टी के नाम से नए दल के रूप में प्रकट हुई। जिसका नेतृत्व भारतीय राजनीति के सूर्य भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी ने किया। आज वही भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 18 करोड़ सदस्यता वाली विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। देश के अनेक राज्यों में सरकार एवं केंद्र में भारत का नेतृत्व कर रही है। अपने राष्ट्रवादी विचार, गरीब के कल्याण की नीति, प्रखर एवं प्रमाणिक नेतृत्व के कारण देश के लिए वरदान सिद्ध हुई है।

राजनीति के माध्यम से राष्ट्रवाद की स्थापना करते हुए राष्ट्रीय एकात्मता को पुष्ट करने का विचार भाजपा ने अपने जन्म काल से रखा। बूथ से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन तक लोकतंत्र का पालन करते हुए देश में लोकतंत्र का रक्षण भारतीय जनता पार्टी का संकल्प बना। समाज में बिना किसी भेदभाव के विकेंद्रित अर्थव्यवस्था का पालन करते हुए गरीब का उत्थान यही लक्ष्य है। बिना किसी भेदभाव अपनी-अपनी पूजा पद्धतियों का पालन करते हुए देश के विकास में सभी का सहयोग एवं देश प्रथम सिद्धांत का पालन करते शुद्ध आचरण से देशवासियों की सेवा भाजपा का लक्ष्य बना।

हमारा देश विविधताओं से युक्त देश है। भाषा, जातियों, पूजा-पद्धति, खानपान, रंग-रूप एवं पहनावा हम सब को एक दूसरे से भिन्न दिखाते हैं। सतही तौर पर विचार करने वाले एवं विदेशी षड्यंत्रो से प्रभावित अनेक लोगों ने इस विविधता के विभेद को ही अपनी राजनीति का आधार बनाया। यह एक राष्ट्र नहीं, जातियों में परस्पर संघर्ष, आदिवासी, शहरवासी, सवर्ण दलित आदि के आधार पर अपनी रोटियां एवं वोट की फसल काटने का प्रयास किया। भाजपा प्रारंभ से ही एक राष्ट्र, एक जन, एक संस्कृति के सिद्धांत के आधार पर राजनीति करती आई है। विविधता इसकी कमजोरी नहीं, इस देश का सौंदर्य है। उत्तर पूर्वांचल ने भी भाजपा को चुनाव जिताकर इस स्वर को प्रकट किया है। इसलिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा कि न तो अब उत्तर पूर्वांचल दिल्ली से दूर है और न ही दिल से दूर है। बंद, चक्का-जाम, आतंक अब समाप्त होकर वहां विकास की धारा बह रही है। कश्मीर 370 से मुक्त होकर केसर की सुगंध ले रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की अनूठी पहल एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत काशी तमिल संगमय ने एकात्मता के विश्वास को गहरा किया है। वेरूवाडी, कच्छ, कश्मीर के लिए संघर्ष करने वाले भाजपा नेतृत्व ने राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय एकात्मता के भाव को जन-जन में जागृत किया है। इसी कारण देश के कोने-कोने से लेकर दुनिया के सुदूर स्थानों तक लाखों लोग देश भक्ति का संवत स्वर भारत माता की जय का उद्घोष कर रहे हैं।

देश के राजनीतिक धरातल पर सक्रिय दल अपने दल के अंदर का लोकतंत्र खोते जा रहे हैं। चुनाव प्रक्रिया का पालन या तो है नहीं अथवा दिखावा मात्र है। कांग्रेस सहित देश की सभी क्षेत्रीय पार्टियां परिवारवाद के संकट से ग्रसित हैं। इस कारण उन दलों का प्रतिभावान नेतृत्व कुंठित होकर दल छोड़ रहा है अथवा निष्क्रिय है। जो दल अपनी पार्टी में लोकतंत्र को पालन नहीं कर सकते उनसे देश के लोकतंत्र की रक्षा की अपेक्षा नहीं की जा सकती है। कांग्रेस ने तो आपातकाल देश को देकर लोकतंत्र को कुचलने का कार्य किया ही है। परिवारवाद के कारण देश का लोकतंत्र खतरे में आ सकता है यह आशंका अपने संविधान निर्माताओं के मन में भी थी। भाजपा ने अपने संविधान का पालन करते हुए निश्चित अवधि में बूथ से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव तक की प्रक्रिया का पालन करते हुए देश के लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान किया है। यही एक मात्र विचारधारा है, जिसने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपने दल का अस्तित्व समाप्त किया। जबकि और दल चुनाव आयोग, ईवीएम एवं न्यायालय पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करने का कार्य कर रहे हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति सम्मान के इस व्यवहार ने भारतीय जनता के मन में भाजपा नेतृत्व के प्रति विश्वास को बढ़ाया है।

गांधी जी अपने आर्थिक चिंतन में देश का विकास स्वदेशी एवं विकेंद्रित अर्थव्यवस्था के आधार पर चाहते थे। ग्राम पंचायत चुनना स्वराज का आधार था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सरकारों की सफलता का आधार गरीब कल्याण (अंत्योदय) को माना। स्वदेशी, सादगी, विकेंद्रित अर्थव्यवस्था से हम अपनी आर्थिक उन्नति करें, यह विचार उन्होंने दिया। किसान के खेत को पानी, रोजगार यह उनकी अर्थव्यवस्था के आधार थे। उत्पादन में वृद्धि खर्च में संयम का सिद्धांत उन्होंने दिया। प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के द्वारा संचालित प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्वर्णिम चतुर्भुज योजना, नदियों को जोड़ने का प्रकल्प एवं सर्व शिक्षा अभियान, गरीब उत्थान एवं देश के ढांचागत विकास के अनुकरणीय उदाहरण है। उसी परंपरा में बहुगुणित वृद्धि करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की गरीब कल्याण की अनेक योजनाएं, क्रियान्वयन में तकनीकी उपयोग, कृषि सिंचाई योजना एवं आत्मनिर्भरता का मंत्र गांधी जी एवं दीनदयाल जी के कल्पनाओं का साकार रूप है। जिसमें गरीब का विश्वास अर्जित करते हुए देश आर्थिक क्षेत्र में तीव्र गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है।

तथाकथित धर्मनिरपेक्षता के नाम पर भारतीय संस्कृति एवं भारतीय समाज पर आक्रमण ही राजनीतिक दलों की परंपरा बन गई थी। जो जितनी अधिक एवं कठोर गाली देगा वह सबसे बड़ा धर्मनिरपेक्षवादी हो गया था। भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे नेता एवं दल अपने धर्मनिरपेक्षतावाद का आवरण ओढ़ कर देशवासियों को शिक्षा दे रहे थे। जो हिंसा में लिप्त थे, वह धर्मनिरपेक्ष होने का ढोंग रच रहे थे। धर्मनिरपेक्षता के नाम पर भगवान श्रीराम के अस्तित्व को ही नकार दिया था। धर्मनिरपेक्षता तुष्टीकरण का पर्याय हो गई थी। समाज दुखी मन से इन दलों के कारनामों को देख रहा था। भाजपा ने कहा हम विकास में कोई पक्षपात न करते हुए सभी को न्याय देंगे। इसी सोच के द्वारा अपनी गरीब कल्याण की योजनायों के माध्यम से अल्पसंख्यक समाज के विकास का कीर्तिमान भी भाजपा सरकारों ने ही बनाया है। अपने सांस्कृतिक मान बिंदुओं के गौरव के लिए भाजपा ने कदम से कदम मिलाकर कार्य किया। आज भारत का सांस्कृतिक गौरव सूर्य के समान चमक रहा है। विश्व में चोरी करके ले जाई गई मूर्तियों को वापस लाने का कार्य हो अथवा श्रीराम मंदिर का भी कॉरिडोर, केदारनाथ जी का सौंदर्यीकरण, महाकाल लोक का निर्माण सभी अपनी गौरवगाथा कह रहे हैं। सूफी संतों से संपर्क, बोहरा एवं पसमांदा मुस्लिम समाज के विकास की योजनाएं एवं वन डे वन चर्च जैसे प्रयास प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सर्वधर्म समभाव के भाव को प्रकट करते है।

2014 से पूर्व प्रतिदिन के समाचार पत्रों में भ्रष्टाचार सुर्खियों में रहता था। राजनेता एवं राजनीतिक दल जैसे भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे थे। सरकारी संपत्ति हमारे व्यक्तिगत उपयोग के लिए है, जैसे सिद्धांत गढ़े जा रहे थे। 2014 के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने न खाऊंगा ना खाने दूंगा का उद्घोष करके राजनीति में पारदर्शिता की मिसाल कायम की। देश प्रथम के सिद्धांत का पालन करने वाले अनेकों राजनीतिक कार्यकर्ता भाजपा की देन है। जिन्होंने सत्ता के प्रतिष्ठान पर पहुंचकर भी अपनी ईमानदारी की छवि को बनाया है। राजनीति में सब कुछ जायज है। जहां यह सिद्धांत प्रतिपादित किया जाता है, वहीं ईमानदारी से सरकार चलाई एवं पुनः बनाई जा सकती है, यह भाजपा नेतृत्व ने सिद्ध किया है। 2014 से पूर्व में लोगों को भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतारना पड़ता था , अब भ्रष्टाचारी अपने बचाव में सड़कों पर उतर रहे हैं। इसके कारण जीवन मूल्य राजनीति में जीवित है, यह विश्वास जनता में जागृत हुआ है।

देश की स्वतंत्रता एवं विकास में सभी का योगदान है। इसके आधार पर सभी महापुरुषों का सम्मान, परमाणु विस्फोट एवं रक्षा क्षेत्र में आधुनिक सेना एवं शत्रु के द्वारा भारत को सम्मानित स्थान विश्व में भाजपा ने दिलाया है। विश्व भर में भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता स्थापित की है। इसका परिणाम है कि केवल भारत ही नहीं संपूर्ण विश्व भारतीय जनता पार्टी को एवं उसके नेतृत्व को आशा भरी दृष्टि से देख रहा है। आधुनिकता के साथ, सेवा एवं भारत के विकास का संकल्प ही भाजपा का मंत्र है। इसी आधार पर उसके कार्यकर्ता पन्ना प्रमुख तक की संरचना कर रहे है। भाजपा भारत की आकांक्षाओं को पूर्ण करने वाली पार्टी है जो अपने सेवा भाव से भारत के लिए वरदान सिद्ध होगी।

विकास कार्य में हो रहा भ्रष्टाचार, जनपद पंचायत कालापीपल के जिम्मेदार मौन

सचिव सुनील भारती व सरपंच कर रहे सरकार की राशि का बंदरबांट

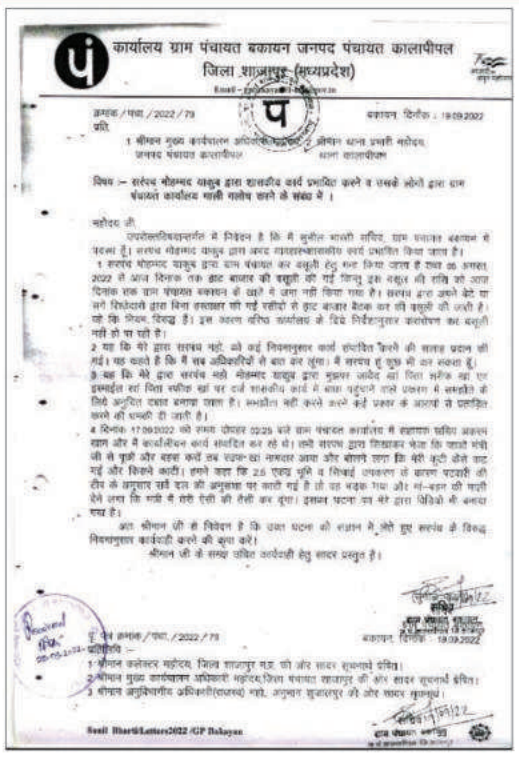

कार्यालय ग्राम पंचायत बकायन जनपद पंचायत कालापीपल
जिला शाजापुर (मध्यप्रदेश)
क्रमांक/पंचा./2022/79
प्रति
Sunil Bharti/Letters2022/GP Bakayan

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

भ्रष्टाचार की मार से हर कोई व्यक्ति पीड़ित एवं शोषित होता हुआ दिखाई दे रहा है। इन सब के पीछे सरकारी सिस्टम में बैठे हुए कुछ जिम्मेदारों का ही हाथ दिखाई देता है, जब जाकर ही भ्रष्टाचार से महा भ्रष्टाचार होता है। इन दिनों मीडिया की सुर्खियों में बनी हुई है ग्राम पंचायत बकाया, दरअसल शासन के द्वारा ईदगाह पेवर ब्लॉक के निर्माण के लिए पांच लाख की राशि स्वीकृत हुई थी, जिसमें सरपंच व सचिव की मिलीभगत या यूं कहें इंजीनियर की सरपरस्ती में पूरे मामले में अंजाम दिया गया है। दरअसल इन के द्वारा धरातल पर मात्र एक लाख का ही काम किया गया है, बाकी के चार लाख सफाचट कर गए हैं। यह हम नहीं कह रहे हैं वहां पर बने हुए पेवर ब्लॉक में हुए भ्रष्टाचार की तस्वीरें चिल्ला-चिल्ला कर गवाही दे रही है।

सचिव व इंजीनियर की मिलीभगत से हुआ भ्रष्टाचार

आपने यह कहावत तो जरूर सुनी होगी हमारे चाचा विधायक है तो हमें डर किस बात का, इसी तर्ज पर जनपद की सरपरस्ती में ही बकायन पंचायत में भ्रष्टाचार को अंजाम दिया गया है। जिसमें शासन के नुमाइंदों ने ही मिलकर भ्रष्टाचार किया गया है या लोगों की आस्था या विश्वास से खिलवाड़ किया है। भ्रष्ट सचिव व इंजीनियर को जमाने भर के सो, आराम, सुख-सुविधा शासन हित से दी जाने के बाद भी इन लोगों के द्वारा पेवर ब्लॉक में भ्रष्टाचार किया गया है, हालांकि इनके द्वारा अनेकों फर्म के फर्जी बिल भी लगाए गए है, हम आपको अगले अंक में बिंदुवार प्रकाशित कर दिखाएंगे।

कालापीपल जनपद डूबी भ्रष्टाचार की अकड़ में

कालापीपल जनपद सीईओ राजकुमार मंडल के द्वारा भ्रष्टाचारियों पर कड़ी कार्यवाही एवं जांच के आश्वासन तो जरूर दिए जाते हैं, लेकिन वह जांच बीच मझधार में ही रुक जाती है। अब क्या साहब को फुर्सत नहीं है या मलाईदार मिठाई की बर्फी का पैकेट पहुंच गया है, जो भी है जनता हित में मिलने वाली राशि का इन दिनों बकायन पंचायत के सरपंच-सचिव के द्वारा भ्रष्टाचार कर अपनी तिजोरी भरने में लगे हुए हैं।

चुनावी वर्ष में लिया कर्ज लेकिन अब उपार्जन के जरीए हो रही वसूली

माही की गूंज, मंदसौर।

रबी की सीजन में ओलावृष्टि से लेकर बारिश के कारण फसलों में नुकसान हुआ। जिलेभर के किसान नुकसानी पर राहत का इंतजार कर रहे है। तो ऐसे में सोसायटियों की ऋणवसूली ने किसानों की चिंता को बढ़ा रखा है। रबी सीजन में ओलावृष्टि से हुए नुकसान पर जनप्रतिनिधियों ने सर्वे के साथ मुआवजा दिलवाने की बात कही तो सरकार ने भी मुआवजा देने का दावा किया और किसानों को राहत की बात कही। लेकिन किसानों को अब तक नुकसानी पर राहत का इंतजार है। राहत तो नहीं मिली और ना ही प्रशासन अब तक यह साफ कर पाया है कि, जो सर्वे कराया जा रहा है उसमें कितने गांवो में, जिले में कितने किसानों की फसलों में नुकसान हुआ है। ऐसे में किसान राहत के इंतजार में अधर में ही झुल रहा है कि, उसे राहत मिलेगी या नहीं। लेकिन ऋणवसूली अनोखे तरीके से की जा रही है। दरअसल, अब रबी सीजन में गेहूं सहित अन्य फसलें घर आ चुकी है तो उपार्जन भी शुरु हो चुका है। लेकिन जिन किसानों का ऋण बकाया है उनके खाते में गेहूं उपार्जन की राशि आधी ही जा रही है। उपार्जन की आधी राशि उसके ऋण में सीधे समायोजित की जा रही है। किसान के खाते में आधी राशि ही जमा की जा रही है ऐसे में किसानों से उपार्जन के जरीए हो रही ऋणवसूली जिले में फिर सियासी मुद्दा बन रहा है।

साल के अंत में विधानसभा के चुनाव होना है। ऐसे में पिछले चुनाव की तरह इस बार भी कर्जमाफी बड़ा मुद्दा है। सरकार ने ब्याज माफ करने की घोषणा की तो डिफाल्टर हो चुके किसान खुद से डिफाल्टर का तमंगा हटने का इंतजार कर रहे है। ऐसे में चुनाव को देखते हुए इस बार फिर बड़ी संख्या में किसानों ने कर्ज लिया है। दो लाख से अधिक किसानों ने कर्ज ले रखा है। किसानों को कर्जमाफी या इस पर राहत का इंतजार है। लेकिन ऋणवसूली सोसायटियों किसानों के उपार्जन से सीधे कर रही है। इसमें 50 प्रतिशत उपार्जन की राशि काटकर ऋण में समायोजित की जा रही है। इस तरह जिले में बड़े पैमानें पर ऋणवसूली हो रही है। इसी कारण अधिकांश किसान पंजीयन कराने के बाद भी अब सरकारी खरीदी में अपना गेहूं नहीं बेचते हुए मंडी में बेच रहे है।

गेहूं की खड़ी फसल में लगी आग

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले के निछमा गांव में खेत में खड़ी गेहूं की फसल में आग लग गई। आग लगने के कारण का पता नहीं चल सका। गर्मियां आते ही आग लगने की घटनाएं शुरू हो गई हैं। इन दिनों खेतों में गेहूं की फसल कटाई का काम चल रहा है। ऐसे में किसानों की चिता बढ़ गई है। जिला मुख्यालय के समीप ग्राम निछमा में मंगलवार को एक खेत में आग लग गई। इससे खेत में खड़ी गेहूं की करीब 30 बीघा की फसल जलकर नष्ट हो गई। खेत से अचानक धुआं निकलने लगा। किसान महेंद्र सिंह, नरेश्वर सिंह व अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि खेत से अचानक धुआं निकलने लगा। लोग वहां पहुंचे तो आग की लपटें उठ रही थीं। आग देख लोगों ने शोर मचा दिया। खेत मालिकों ने लोगों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। खेत मालिकों ने बताया कि उनका लाखों का नुकसान हो गया।

व्यापारी ने की तौल में ठगी

माही की गूंज, शाजापुर।

बेरछा में संचालित हो रही बगैर रजिस्ट्रेशन व बगैर जीएसटी की दुकान। वही शाजापुर के बेरछा में ठगी करने वाला लोहे एवं स्टील की वस्तुएं बनाने वाले दुकान संचालक को ग्रामीणों ने तोल मे गडबडी करते पकडा।

आपको बता दें जिला मुख्यालय से महज 15 किलोमीटर की दूरी पर संचालित की जा रही बगैर रजिस्ट्रेशन की फर्जी दुकान जिसका ना तो जीएसटी नंबर है और ना ही रजिस्ट्रेशन। दरअसल ग्राहक इंद्रसिंह ने बताया कि, उसने अपने मकान के लिए 'साईन वेलि्ंडग वर्कस' दुकान पर शटर बनवाई जिसका वास्तविक वजन से ज्यादा बताकर 'साईन वेलि्ंडग वर्कस एवं स्टील फेब्रीकेशन' के संचालक शादीक ने पैसे ज्यादा ले लिए। ग्राहक ने आगे बताया कि, उसने जब शटर का खुद तोल करवाया तो वजन कम निकला। इसी प्रकार से जिले के अंदर कई दुकानें संचालित की जा रही है, आम जन के साथ धोखाधडी करनें वालें दुकानदारों पर प्रशासन को कडी कार्यवाही करना चाहिए ऐसे में प्रशासन क्या कुछ कार्यवाही करती है देखने वाली बात है।

37 लाख का ड्रग्स जप्त

माही की गूंज, मंदसौर।

पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे ड्रग माफियाओं के विरुद्ध कार्रवाई के तहत मंदसौर एसपी अनुराग सुजानिया के निर्देश में पुलिस शहर कोतवाली को 4 मार्च मध्य रात्रि में मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि, नीमच से मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स की तस्करी में लिप्त दो तस्कर नई टीवीएस राइडर स्पीड बाइक से दलोदा में किसी तस्कर को ड्रग्स देने जाने वाले हैं और महू-नीमच रोड बाईपास के रास्ते से जाएंगे थाना शहर कोतवाली पुलिस के द्वारा सूचना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा कर तत्काल महू-नीमच हाईवे 10 नंबर नाका पर नाकबंदी की गई। जहां पर मुताबिक मुखबिर सूचना के अनुसार संदिग्ध दो व्यक्तियों को टीवीएस राइडर स्पीड बाइक सहित घेराबंदी कर रोका गया, उनकी तलाशी एनडीपीएस एक्ट के विधि अनुसार लेने पर आरोपी समरथ मेघवाल जो कि, मोटरसाइकिल चला रहा था के कब्जे से 170 ग्राम वह पीछे बैठे आरोपी भारत बैरागी से 200 ग्राम दोनों आरोपियों से कुल 370 ग्राम एमडी ड्रग्स अंतरराष्ट्रीय किमत 37 लाख रुपए वह एक टीवीएस राइडर स्पीड बाइक को जप्त करने में सफलता हासिल की।

पुलिस ने आरोपी समरथ पिता नाथू लाल मेघवाल (22) निवासी गोल मगरी थाना छोटी सादड़ी जिला प्रतापगढ़। भारत पिता जयदीप बैरागी (30) निवासी भगवानपुरा मनासा रोड नीमच मशरूका के साथ गिरफ्तार किया।

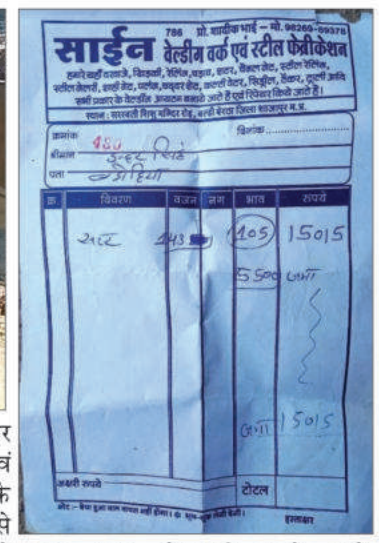

आहतों का संचालन किया बंद

माही की गूंज, मंदसौर।

राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए घोषित आबकारी नीति के प्रावधानों के तहत शराब दुकानों में संचालित आहतों को बंद कर दिया है। कलेक?टर दिलीप कुमार यादव के निर्देशन पर पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया और आबकारी विभाग द्वारा जिले में संचालित कुल 96 कम्?पोजिट शराब/ मदिरा दुकानों में से 79 ऑन श्रेणी (शराब पीने की सुविधायुक?त) दुकानों के अहातों को बंद करा दिया है। किसी भी शराब की दुकान पर आहता का संचालित करने हुए पाए जाने पर उस व?यक्ति के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

पुण्यतिथी पर किये वस्त्र भेंट

माही की गूंज, शाजापुर। मां हरसिद्धि भक्त मंडल के संस्थापक संयोजक जूना गुजराती दर्जी समाज के पूर्व अध्यक्ष, बजरंग दल एवं विश्व हिंदू परिषद के विभिन्न पदों पर रहे, हिंदूवादी नेता स्व. हेमंत टेलर की द्वितीय पुण्यतिथि पर परिजनों ने वृद्धा आश्रम में रहने वाले बुजुर्गों को कोई असुविधा न हो इसलिए स्व. हेमंत टेलर की पुण्य स्मृति में बुजुर्गों को वस्त्र, फल पदवेश आदि सामग्री भेंट की इसके पूर्व स्थानीय आश्रम पर निराश्रितों को भोजन करवाया। मौन धारण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

भगवान श्री परशुरामजी के प्राकट्योत्सव पर होंगे दो दिवसीय आयोजन

22 अप्रेल को शहर में निकाली जाएगी भव्य शोभायात्रा

माही की गूंज, झाबुआ।

सर्व ब्राम्हण समाज झाबुआ द्वारा आराध्य देव भगवान श्री परशुरामजी का जन्मोत्सव दो दिवसीय आयोजन के रूप में मनाया जाएगा।

मीडिया प्रभारी उमेश पांडे ने बताया कि भगवान श्री परशुरामजी का प्राकट्योत्सव धूमधाम से एवं हर्षोल्लासपूर्वक मनाए जाने हेतु 2 अप्रेल, रविवार को कॉलेज मार्ग स्थित प्राचीन जगदीश मंदिर पर समाज की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। जिसमें समाज के वरिष्ठजनों में सुभाषचन्द्र दुबे, अरविन्द व्यास, राजेन्द्र जोशी, प्रदीप पंड्या, जयेंद्र बैरागी, पं.राजकुमार देवल, डॉ. विनोद मिश्रा, नवीन पाठक, शरतचन्द्र शुक्ला, मनीष त्रिवेदी, रमाकांत त्रिवेदी, मुकेश गौड़, अखिल त्रिवेदी, सुनिल कानूनगो, अश्विन शर्मा, सुनील शर्मा, राजेश शर्मा, श्यामसुंदर शर्मा, जगदीश पंडा, राजेश पंड्या, आलोक शर्मा, आशीष चतुर्वेदी, गौतम त्रिवेदी, कपिल देराश्री, महिलाओं में श्रीमती लीला पंडा, सुशीला भट्ट, मंजुला दैराश्री, रेखा शर्मा, कविता कानूनगो, दिपाली पंडा आदि उपस्थित रहीं।

यह होंगे आयोजन

निर्धारित कार्यक्रम के तहत 21 अप्रेल शाम 4 बजे से निवेदन दो पहिया वाहन यात्रा बाद शाम 7.30 बजे से उमेश पांडे मंडल झाबुआ द्वारा हनुमान चालीसा एवं भजन-किर्तन का आयोजन, रात्रि 8.30 बजे से समाज की महिला इकाई द्वारा सुंदर प्रस्तुति, द्वितीय दिवस 22 अप्रेल को अक्षय तृतीया पर भगवान श्री परशुरामजी का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस दिन प्रातः 8.30 बजे आजाद चैक पर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर समाजजनों द्वारा माल्यार्पण बाद 9.30 बजे से जगदीश मंदिर में शिवजी का महाभिषेक पश्चात् शाम 4 बजे मंदिर परिसर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए समापन पुनः मंदिर पर होगा। रात्रि 8 बजे भगवान की महाआरती बाद महाप्रसादी का आयोजन रखा गया है।

अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा की तस्करी कर रहे तीन आरोपियों को पुलिस ने धरा

माही की गूंज, रतलाम।

अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा की तस्करी कर रहे तीन आरोपियों को औद्योगिक क्षेत्प पुलिस थाना जावरा ने मंगलवार को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पुलिस ने 23 किलो डोडाचूरा बरामद कर एनडीपीएस एक्ट के तहत केस पंजीबद्ध किया है। दो आरोपियों को हसनपालिया के पास गिल पंजाबी ढाबे से और एक को रोजाना गांव से गिरफ्तार किया गया है। औद्योगिक क्षेत्र जावरा के टीआई प्रकाश गडरिया ने बताया सूचना मिली थई कि ढाबे पर एक टाट के बोरे में 23 किलो अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा तस्करी की जा रही है। यह डोडाचूरा गिल पंजाबी ढाबे पर है। इस पर पुलिस ने टीम गठित करके दबिश दी। यहां से आरोपी 35 वर्षीय जावेद पिता शाकीर खां मेवाती और 30 साल के जुबैर उर्फ पप्पू पिता शाकीर खां मेवाती दोनों निवासी हसनपालिया के कब्जे से एक टाट के बोरे मे भरा 23 किलो अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा जब्त किया गया। इसकी कीमत 46 हजार रुपए है। आरोपियों को थाने लाकर पूछताछ करने पर उसने यह डोडाचूरा रोजाना निवासी राजाराम जाट से खरीदकर ले जाने की बात बताई। इस पर पुलिस ने रोजाना से राजाराम जाट को भी गिरफ्तार कर लिया है। तीनों ही आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया गया है।

डोडा चुरा के चार चोर पुलिस की गिरफ्त में सात फरार

माही की गूंज, मंदसौर।

मल्हारगढ़ थाना पुलिस ने अफीम डोडा लूट के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 7 आरोपी फरार है। आरोपियों ने मल्हारगढ़ थाना क्षेत्र के तीन गांवों में लूट की वारदात को अंजाम देते हुए किसानों के खेत में खड़ी अफीम की फसल से डोडा लूट कर फरार हो है थे। वारदात के वक्त आरोपियों ने किसानो के साथ मारपीट भी की थी।

मामले में मल्हागढ पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज किया था। मामले का खुलासा करते हुए एसपी अनुराग सुजानियां ने बताया कि, 26 मार्च को अमरपुरा के किसान दीपक पिता बगदीराम गायरी (23) ने शिकायत दर्ज करवाई कि, उसके साथी रमेश बागरी के साथ मारपीट कर बदमाश खेत से 40 किलो डोडा और 25 किलो पोस्तादाना लूट कर ले गए। इसी तरह 28 मार्च को भुवानी सिंह पिता चमसिंह राजपूत निवासी जेतुपुरा के खेत से बदमाश मारपीट कर 30 किलो साबूत डोडा चोरी कर ले गए वही 25 मार्च को बदमाश रामप्रसाद पिता प्रभूलाल बावरी निवासी पामाखेडा के खेत 25 किलो साबूत डोडा चोरी कर ले गए। तीनों वारदात की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अलग-अलग टीम बनाकर जांच शुरू की। 3 मार्च को पिंटू पिता जगदीश बावरी (20) निवासी जोगणी व दयाराम पिता गोविन्द बावरी (25) निवासी मगरोडा थाना रठाजना जिला प्रतापगढ को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसमें लूट की वारदात कबूल करते हुए पुष्कर पिता जगदीश बावरी निवासी जोगणी, मुन्नालाल पिता परसराम बावरी निवासी सिंदपन, विष्णु पिता लक्ष्मण बावरी निवासी जोगणी, उदल पिता रामगोपाल बावरी निवासी चंगेरी, समरथ पिता रामेश्वर बावरी निवासी जोगणी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना कबूल किया।डोडा चोरी की वारदात के बाद पुलिस की जांच के दौरान सामने आया है कि अमरपुरा गांव के बकरिया चराने वाले शख्स मदन पिता भेरुलाल रेगर ने डोडे खेत में होने की सूचना दी। आरोपियों ने लूटे हुए माल से 5 किलोग्राम अपने रिश्तेदार अर्जुन पिता गोवर्धनलाल बावरी निवासी बरखेडा पंथ और 2 किलो मदन रेगर बेच दिया था।

इस घटना में सहयोग करने वाले दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर अर्जुन से 5 किलो पोस्तादाना व मदन रेगर से 2 किलो पोस्तादाना जब्त किया गया। मामले में मुख्य आरोपी पिंटू और दयाराम कब्जे से 5 किलो पोस्तादाना, 20 किलो डोडा और 2 बाइक बरामद की है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत भी अपराध बढ़ाया गया है।गिरफ्तार आरोपियों के सात अन्य साथी पुष्कर बावरी, मुन्नालाल बावरी, विष्णु बावरी, उदल बावरी, समरथ बावरी, सुनिल बावरी ,गोपाल बावरी के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम देना बताया। आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग थानों में कई अपराध दर्ज है

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजनाः दीवार लेखन के माध्यम से दे रहे संदेश

माही की गूंज, बड़वानी।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण योजना है। योजना के तहत आवेदन पत्र लेने हेतु ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में शिविर लगाकर आवेदन पत्र लेने का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही ग्रामीणों को योजना की जानकारी देने, आवश्यक दस्तावेज एवं पात्रता हेतु जिले के ग्रामों में जनसेवा मित्रो एवं जनअभियान परिषद के सदस्यों के द्वारा दीवार लेखन का कार्य किया जा रहा है। दीवार लेखन के माध्यम से ग्रामीणों को योजना की सम्पूर्ण जानकारी दी जा रही है। वही आजीविका मिशन की दीदीयों के द्वारा ग्रामों में घर-घर जाकर पीले चावल देकर महिलाओं को शिविरों में आने का न्यौता दिया जा रहा है।

वही जनअभियान परिषद के सदस्य, आजीविका मिशन की बैंक सखी, जनसेवा मित्र शिविरों में आने वाली महिलाओं का ईकेवायसी कर रहे है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत पात्र सभी महिलाओं को लाभान्वित करने हेतु पहाड़ी क्षेत्रों में विशेष भागीरथी प्रयास किये जा रहे है। पहाड़ी क्षेत्रों में ग्राम पंचायत के सचिव एवं पेसा मोबिलाईजर नेटवर्क विहीन क्षेत्रों में एक पहाड़ी पर बनी झोपड़ी में महिलाओं को एकत्रित कर उनका ईकेवायसी एवं आनलाईन आवेदन का कार्य कर रहे है।

वही जिला प्रशासन द्वारा भी महिलाओं को विशेष सुविधा प्रदान की गई है। महिला को डीबीटी आप्शन इनेबल्ड एवं आधार अपडेशन के लिए बैंक में जाने की आवश्यकता नही है। महिला शिविर के दौरान अपना आधार कार्ड एवं बैंक पास बुक की फोटो कापी एवं मोबाईल नंबर देगी। शिविर में प्रतिदिन आने वाले आवेदनों को शिविर प्रभारी द्वारा बैंकों में पहुंचाया दिया जायेगा।

प्रदेश स्तर से आया प्रचार रथ भी दे रहा है महिलाओं को जानकारी

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत प्रदेश स्तर से आया हुआ प्रचार रथ भी मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की जानकारी ग्रामों में जाकर दे रहा है। साथ ही जनअभियान परिषद द्वारा बनाया गया जागरूकता रथ भी विकासखण्ड ठीकरी के ग्रामों में प्रचार-प्रसार कर रहा है।

सभी के प्रयासों से 1 लाख 29 हजार से अधिक महिलाओं के आवेदन पत्र भरे गये

कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग के निर्देशन में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के तहत 25 मार्च से जिले की ग्राम पंचायतो एवं नगर निकायो में आवेदन भरने हेतु शिविर लगाये जा रहे है। 25 मार्च से 5 अप्रैल तक जिले की 7 जनपदो एवं 9 नगर निकायो में कुल 129155 महिलाओं के आवेदन पत्र आनलाईन दर्ज हो चुके है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी आरएस गुण्डिया से प्राप्त जानकारी अनुसार 25 मार्च से 5 अप्रैल की शाम 5 बजे तक जनपद पंचायत बड़वानी में 14615, निवाली में 8991, पानसेमल में 13894, पाटी में 15362, राजपुर में 14603, सेंधवा में 25565, ठीकरी में 11731 बहनों के आवेदन ऑनलाइन किए गए हैं। इसी प्रकार नगर पालिका बड़वानी में 5139, सेंधवा में 5232, नगर निकाय अंजड़ में 2584, खेतिया में 1988, निवाली में 2148, पलसूद में 1387, पानसेमल में 1651, राजपुर में 2197 तथा ठीकरी में 2068 बहनों के आवेदन ऑनलाइन दर्ज किए गए हैं।

मुरम और रेत उत्खनन करते 2 जेसीबी, 4 ट्रेक्टर जप्त

माही की गूंज, खरगोन।

जिले में खनिज विभाग द्वारा कलेक्टर शिवराज वर्मा के मार्गदर्शन में अवैध उत्खनन परिवहन पर लगातार कार्यवाही जारी है। सोमवार और मंगलवार की रात्रि में भी विभाग के अधिकारी ने अपनी टीम के साथ खरगोन और कसरावद क्षेत्र में मुखबिर की शिकायत पर कार्यवाही की। खनिज अधिकारी सावन चौहान ने बताया कि सोमवार रात लगभग 10 बजे खरगोन के पास ग्राम ठिबगाँव क्षेत्र में नहर के पास मुरम का अवैध उत्खनन करने की शिकायत प्राप्त हुई थी। खनिज अधिकारी सीधे मौका स्थल पर पहुँचे जहां एक जेसीबी मुरम का अवैध उत्खनन करते हुए पायी जो एक ट्रेक्टर में मुरम भर रही थी। टीम द्वारा दोनों को तत्काल जप्त कर रात लगभग साढे 12 बजे नज़दीकी थाना गोगांवा की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया।

इसी तरह मंगलवार रात को खनिज अधिकारी को बलकवाड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम जहाँगीरपुरा में बोरॉड नदी पर रेत के अवैध खनन की शिकायत मिली। खनिज अधिकारी ने तत्काल अपनी टीम को अलर्ट किया और मौका स्थल पर दो तरफ़ से धावा बोला। मौके पर एक जेसीबी तथा तीन ट्रेक्टर रेत के अवैध खनन में लिप्त पाये गये। दो तरफ़ से हमले की वजह से उत्खननकर्ता को अपने वाहनों को भगाने का मौका नहीं मिला। सभी को तत्काल जप्त कर रात करीब साढे 3 बजे थाना बलकवाड़ा की अभिरक्षा में खड़ा करवाया। इस तरह खनिज अधिकारी ने 2 रातों में कुल 2 जेसीबी तथा 4 ट्रेक्टर जप्त किए तथा उनके विरुद्ध मप्र खनिज (अवैध खनन परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

कलेक्टर और राजनीतिक प्रतिनिधियों ने ईवीएम गोडाउन का किया अवलोकन

माही की गूंज, खरगोन।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी शिवराज सिंह वर्मा ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मंगलवार शाम को कलेक्टर परिसर स्थित ईवीएम गोडाउन का त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस दौरान प्रभारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शिराली जैन, इलेक्शन सुपवायजर जीएल भालसे, भाजपा के जितेंद्र यादव, कांग्रेस के दिनेश पटेल और सीपीएम के वासुदेव विश्नोले उपस्थित रहे।

ज़िला कोषालय के स्ट्रॉंगरूम का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

कलेक्टर श्री वर्मा ने मंगलवार को कोषालय के स्ट्रॉंगरूम का भी वार्षिक निरीक्षण किया। 31 मार्च की स्थिति में न्यायालय के बहुमूल्य पैकेट एवं समस्त मुद्रांक (न्यायिक, ग़ैर न्यायिक, राजस्व, इत्यादि) का वार्षिक भौतिक सत्यापन किया। साथ ही कोषालय की समस्त शाखाओं का अवलोकन कर कोषालय अधिकारी आनंद पटले को आवश्यक निर्देश दिए।

जिला, जल अभावग्रस्त घोषित

पेयजल एवं निस्तार के अतिरिक्त अन्य जगह पानी का उपयोग रहेगा प्रतिबंधित

माही की गूंज, बडवानी।

जिले में विगत वर्षों में कम वर्षा होने के कारण भू-जल स्तर में आशानुरूप वृद्धि नही हुई है तथा आगामी ग्रीष्म में और अधिक गिरावट होने की संभावना है इसके मद्देनजर कलेक्टर ने सम्पूर्ण जिले को जल अभावग्रस्त घोषित कर पानी का उपयोग पीने व निस्तार के अलावा अन्य कार्यों में करने को प्रतिबंधित किया है।

कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग ने म.प्र. पेयजल परिरक्षण (संषोधित) अधिनियम 2002 के अंतर्गत अन्य आदेष होने तक सम्पूर्ण जिले को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित कर जल स्त्रोतो कुए, तालाब, नदी, हेण्डपम्प, ट्यूबवेल से पेयजल एवं निस्तार हेतु जल के उपयोग को छोड़कर अन्य उपयोग हेतु निम्नानुसार प्रतिबंध आदेषित किया है।

जिले में प्राकृतिक रूप से (नर्मदा नदी को छोड़कर) बहने वाली नदी-नालो तथा तालाबो में उपलब्ध पानी एवं भूमि सतह के नीचे पानी का घरेलू उपयोग एवं पशु धन के रख-रखाव के प्रयोजन के अतिरिक्त पानी की निकासी को पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। उक्त अधिनियम में उपबंधित नियमानुसार अपने क्षेत्र में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व की अनुमति के बिना तथा पूर्व से स्थापित नलकूप की 150 मीटर की त्रिज्या में कोई भी नलकूप खनन नहीं करवा सकेगा। बिना अनुमति अवैध उत्खनन के मामलों में उक्त अधिनियम में उपबंधित नियमानुसार अपने क्षेत्र में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यवाही करेंगे ।

प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेन्टिसशिप मेला 10 अप्रैल से

माही की गूंज, बड़वानी।

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बड़वानी में 10 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेन्टिसशिप मेला का आयोजन किया जायेगा।

शासकीय आद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य से प्राप्त जानकारी अनुसार उक्त मेला में वीई कमर्शियल पिथमपुर, एलटीस इन्डस्ट्रीस पिथमपुर, कालका मोटर्स बड़वानी के प्रतिनिधि उपस्थित होंगे। 18 से 23 वर्ष की आयु तक के युवा जो की कक्षा 10वी, 12वी एवं आईटीआई उत्तीर्ण हो मेले में उपस्थित हो सकते है। मेले में चयन के पश्चात् 8-12 हजार रुपये प्रतिमाह स्टाइपेण्ड एवं अन्य सुविधाएं अभ्यर्थी को प्राप्त होगी। उन्होने बताया कि मेले में भाग लेने के इच्छुक उक्त स्थान पर अपने समस्त मूल प्रमाण पत्र, बायोडाटा सहित साक्षात्कार हेतु उपस्थित हो सकते है। अभ्यर्थी को गूगल फार्म लिंक पर अपना अनिवार्य रूप से रजिस्टेञ्शन करवाना अनिवार्य होगा।

सीसीई में प्रतिभा निखारने और प्रदर्शित करने का मिल रहा है मौका-वैष्णवी

माही की गूंज, बड़वानी।

हमें वोकेशनल कोर्स व्यक्तित्व विकास का अध्यापन कॅरियर सेल के माध्यम से किया जा रहा है। यह टीम क्रिएटिविटी को महत्व देती है। सीसीई यानी सतत व्यापक मूल्यांकन में हमें अपनी प्रतिभा निखारने और प्रदर्शित करने का मौका मिल रहा है। पेंटिंग भी सीसीई की एक विधा है। मैंने भी कान्हा जी की तस्वीरें बनाई हैं। ये बातें शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी की बीबीए प्रथम वर्ष की प्रतिभाशाली छात्रा वैष्णीव कौशल ने कहीं। ज्ञात हो कि कॅरियर सेल का संचालन प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। कार्यकर्ता प्रीति गुलवानिया और वर्षा मुजाल्दे ने बताया कि सीसीई में कुल बीस रचनात्मक विधाएं प्रस्तावित की गई हैं। ये विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में सहायक होंगी। पेंटिंग विधा के अंतर्गत विद्यार्थियों को मौलिक कलाकृति बनाने के लिए प्रेरित किया गया है। उन्हें भारत और दुनिया के ख्यातनाम चित्रकारों जैसे राजा रवि वर्मा, लियोनार्दो द विन्सी आदि की पेंटिंग्स के बारे में भी बताया गया। पेंटिंग के क्षेत्र में उपलब्ध उच्च अध्ययन और कॅरियर के अवसरों के बारे में भी जानकारी दी गई है। छात्रा वैष्णवी ने कहा कि सीसीई से हमें बहुत सीखने को मिल रहा है और बहुत अच्छा भी लग रहा है। इस समय करीब दो सौ विद्यार्थी पेंटिंग्स तैयार कर रहे हैं। समय आने पर इन पेंटिंग्स की प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी। व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण डॉ. मधुसूदन चैबे द्वारा कॅरियर सेल की टीम के सहयोग से दिया जा रहा है।

अ इस वृहत् कार्य में प्रीति गुलवानिया, वर्षा मुजाल्दे, धीरज सगोरे, वर्षा मालवीया, कन्हैयालाल फूलमाली, स्वाति यादव, सुनील मेहरा, उमेश किराड़, सुभाष चैहान, पूनम कुशवाह, सुरेश कनेश, नमन मालवीया, शैली सोनी, वेदांती पाटीदार, वैष्णवी कौशल, स्वाति यादव आदि कार्यकर्तागण द्वारा सहयोग दिया जा रहा है।

मोटर साईकल चोर को पकड़ने में मिली सफलता

माही की गूंज, खरगोन।

पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन इन्दौर जोन इन्दौर (ग्रामीण) राकेश गुप्ता एवं पुलिस उप. महानिरीक्षक निमाड रेंज खरगोन तिलकसिंह द्वारा जिला खरगोन में लगातार हो रही मोटर सायकल चोरी की घटनाओं की पतारसी एवं अंकुश लगाने के निर्देश दिये गये थे। वरिष्ठ अधिकारियो से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में पुलिस अधीक्षक खरगोन धर्मवीर सिंह के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खरगोन मनीष खत्री एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस विनोद दिक्षित के मार्गदर्शन में पुलिस टीम गठीत की गई थी जिसमें थाना प्रभारी बडवाह निरीक्षक जगदीश गोयलके नेतृत्व में मोटर साईकल चोर के विरुद्ध कार्यवाही की गई है। 2 अप्रैल को फरियादी दीपक निवासी कंवर कालोनी बडवाह ने थाना बड़वाह पर सूचना दी थी कि 1 अप्रैल के रात्री उसने अपनी मोटर सायकल होण्डा साईन सीबी को घर के सामने कंवर कालोनी में खडा किया था। जिसे अगले दिन सुबह करीबन 8 बजे देखा तो मेरी मोटर सायकल नही दिखी। कोई अज्ञात चोर मेरी मोटर सायकल कीमती करीबन 50 हजार रुपये थी चुराकर ले गया है। फरियादी कि सूचना पर थाना बडवाह पर अपराध क्रमांक 155/23 धारा 379 भादवि का कायम कर विवेचना मे लिया गया।

चोरी कि घटना को संज्ञान मे लेते हुए थाना प्रभारी बड़वाह जगदीश गोयल द्वारा पुलिस टीम को माल-मुल्जिम की पतारसी के लिये पुलिस के सूचना तंत्र व मुखबीरो को सक्रीय कर चोरी के आरोपी की पतारसी हेतु लगाया गया। घटना स्थल के पास में लगे सीसीटीव्ही फुटेज को चौक करते एक व्यक्ति घटना स्थल से मोटर सायकल चुराकर पैदल-पैदल ले जाता दिखा जिसका हुलिया थाने के निगरानी बदमाश विजय उर्फ गरबा पिता मोहन मुजाल्दा निवासी जयमलपुरा से मिलता जुलता दिखा जिसकी संदिग्धता प्रतित होने से निगरानी बदमाश की तलाश की गई। गठित पुलिस टीम द्वारा मुखबीर की सूचना के आधार पर दबीश देकर आरोपी के कब्जे से प्रकरण में चोरी गई मोटर सायकल होण्डा साईन सीबी को रेल्वे स्टेशन बडवाह सेविजय उर्फ गरबा पिता मोहन मुजाल्दे को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से मोटर 3 अप्रैल को जप्त की गई।

गिरफ्तारशुदा आरोपी विजय उर्फ गरबा मुजाल्दे से थाने के अन्य लंबित संपत्ति संबंधी अपराधों में पूछताछ करते 16 मार्च को गौरव मेडिकल के सामने से एक मोटर सायकल स्पेलेण्डर चोरी करना भी स्वीकार किया है, जो उक्त दिनांक को थाना बडवाह पर अपराध क्रमांक 123/23 धारा 379 भादवि का दर्ज है उक्त अपराध में आरोपी की गिरफ्तारी लेकर घटना स्थल की तस्दीक की गई तथा जिस स्थान पर उक्त अपराध की मोटर सायकल क्रमांक एमपी 10 एमआर 5311 का पेट्रोल खत्म होने से इंदौर रोड स्थित चोर बावडी के पास फेकना बताया है जो स्थान पर आरोपी की निशादेही से तस्दीक की गई। पुलिस ने गरबा उर्फ विजय पिता मोहन मुजाल्दे जाति भिलाला उम्र 30 साल निवासी महेश्वर रोड जयमलपुरा थाना बडवाह को गिरफ्तार किया गया। साथ ही आरोपी से अप.क्रं. 123/23 मोटर सायकल हीरो स्पेलेण्डर प्रो क्रमांक एमपी 10 एमआर 5311 कीमत लगभग 20,000 रुपये की बरामद की है। साथ ही अप.क्रं. 155/23 मोटर सायकल होण्डा साईन सीबी क्रमांक एमपी 10 एमएन 5360 कीमत लगभग 50 हजार की बरामद की है।

आरोपी के खिलाफ थाने में 8 अपराधिक रिकार्ड है दर्ज

गरबा के विरूद्व थाने में अपराध क्रमांक 306/16 धारा 379 भादवि, अपराध क्रमांक 479/16ध् ाारा 323, 294, 325, 506 भादवि, अपराध क्रमांक 513/16 धारा 379 भादवि, अपराध क्रमांक 103/18 धारा 25 आर्म्स एक्ट, अपराध क्रमांक 283/20 (थाना सनावद) धारा 224, विचारधीन, अपराध क्रमांक 67/22 धारा 294, 323, 506 भादवि तथा अपराध क्रमांक 157/22 धारा 457, 380 भादवि, अपराध क्रमांक 155/23 धारा 379 भादवि का प्रकरण दर्ज है।

प्रकरण में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग बड़वाह विनोद दीक्षित के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी बडवाह निरीक्षक जगदीश गोयलके नेतृत्व में सउनि कमलसिंह कुशवाहा, सउनि लक्ष्मीनारायण बडोदिया आर. 1037 सुर्या, आर. 471 विनोद, आर. 153 महिपाल, आर. 993 रिपुसुदन, आर. 159 विनोद जाटवका विशेष योगदान रहा।

दाऊदी बोहरा जमात अपने धर्मगुरु के दर्शनार्थ करने गलियाकोट पहुंचे

रमजान माह में रोजे होने के कारण सभी को ए.सी बसों से लाने का फरमान

माही की गूंज, आम्बुआ।

किसी समुदाय का धर्मगुरु अपने धर्मावलंबियों को कितना चाहता है कितना ख्याल रखता है यह दाऊदी बोहरा जमात में देखा जा सकता है। जमात के लोग अपने धर्मगुरु पर कितना विश्वास रखते हैं यह भी देखा जा सकता है, तभी तो जमात के लोग रमजान माह के पाक महीने में रोजा रखने के बावजूद गलियाकोट जाकर धर्मगुरु के दीदार कर रहे हैं। वहीं धर्मगुरु ने भी यह कह रखा है कि, गर्मी का मौसम है तथा रोजा रखने के कारण आने वालों को ए.सी बसों तथा वाहनों में लाया जाए।

दाऊदी बोहरा जमात के 53 वे धर्मगुरु सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहेब पाक रमजान माह में एक महीने के लिए राजस्थान के गलियाकोट आए हुए जिनके दीदार तथा कदम वोशी हेतु समाज जन गलियाकोट जा रहे हैं। इसी कड़ी में आम्बुआ दाऊदी जमात के लगभग 120 लोग जिनमें महिला-पुरुष, बच्चे थे, लग्जरी बसों तथा अन्य चार पहिया वाहनों में बैठकर गलियाकोट पहुंचे जहां पर अपने धर्मगुरु के दीदार कर अपने आप को धन्य बनाया। स्मरण रहे कि, पवित्र रमजान माह में धार्मिक स्थलों पर जियारत करने तथा दर्शन (दीदार) करने से सवाब मिलता है। आम्बुआ दाऊदी बोहरा जमात के शेख हुसैनी इब्राहिम भाई एक माह तक समाज जनों को भोजन करा रहे है, आम्बुआ से गलियाकोट जाने की व्यवस्था हुसैन नजमी, हुजैफा इण्यिन वाला, हुसैन कोहा वाला तथा बाबा जी ग्रुप द्वारा की गई सभी ने गलियाकोट स्थित दरगाह पर भी जाकर देश में अमन शांति की दुआ की। गलियाकोट जाने हेतु समाज जनों ने अपना व्यवसाय बंद रखा।

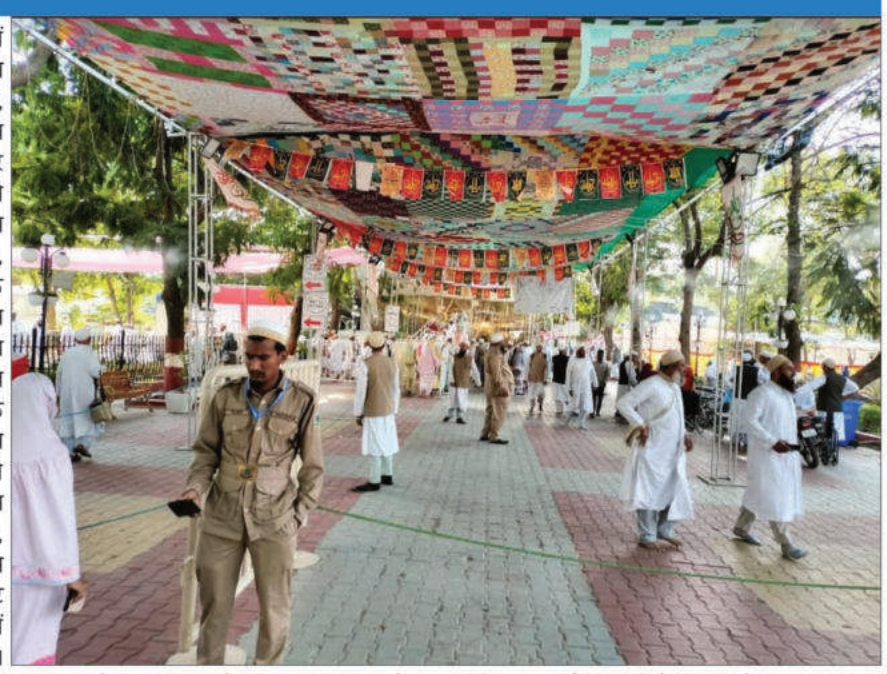

स्मरण रहे कि, गलियाकोट किस गांव, शहर, कस्बे के समाज जन कब जाएंगे यह आईटी एस कार्ड के माध्यम से ऑनलाइन नंबर आता है उसी के हिसाब से समाज जन जा रहे हैं।

परिक्षा खत्मः साईकिल वितरित

माही की गूंज, बरझर। फिरोज खान

हाई सैकंडरी स्कू ल में साईकल वितरण कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए माधव सिंह डावर ने कहा कि, म.प्र. सरकार व भारत सरकार की एक ही सोच है हमारे विधार्थी केसे अच्छी पढाई करें। इसलिए आज छात्र-छात्राओं को साइकिल दी जा रहा है, ताकि स्कूल समय पर पहुंच कर शिक्षा ग्रहण कर सके । ये सायकल छात्र छात्राओं को बहुत पहले दि जानी थी परन्तु टेंडर लेट होने से इस बार देरी से मिल रही है। साथ ही डावर ने कहा कि, स्कूल में शिक्षकों की कमी है, अधिकांश अतिथि शिक्षकों की भर्ती से स्कूल संचालित है। प्रदेश सरकार शिक्षको की भर्ती कर रही है बहुत जल्दी स्कूलों मे शिक्षक कमी पुरी होगी। हमारे क्षेत्र बोरकुण्डिया में सीएम स्कूल मंजुर होकर निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। वही बरझर मे सीएम राईस स्कूल खोलने के आदेश आ गये हे, जिसका निमार्ण कार्य भी जल्द शुरू हो जायेगा। भाजपा की सोच है कि, बच्चों को जो इन्दौर-भोपाल जेसे शहरी क्षेत्रो मे जो पढ़ाई हो रही है वह हमारे ग्रामीण स्तर पर भी हो।

जनपद अध्यक्ष इन्दरसिंह डावर ने कहा कि, जो दूर-दराज से आने वाले छात्रों को सरकार द्वारा साइकल दी जा रही है, जिससे छात्र-छात्राओ को स्कूल में टाईम से पहूंच सके और पढ़ाई कर सके, आप लोग अपने माता-पिता का नाम स्कूलों में अच्छी पढ़ाई कर ऊंचे स्तर पर जाकर रोशन करें। हिमसिग बारिया, मनीष शुक्ला, ने भी संबोधित किया। आयोजन में अजय जयसवाल, धर्मेन्द्र जयसवाल, कमलेश राठोड़, प्राचार्य केशव सोलंकी, सलीम खान, बलिया चौहान, सरपंच विक्रम डाक, महेश भूरिया सोमला बामनिया, रमण परमार, रामसिंग राठोड़, जफरूल्ला खान, फिरोज खान आदि मोजूद थे ।

10 अप्रैल से अप्रेंटिसशिप मेला

माही की गूंज, खरगोन।

तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के तत्वाधान में शासकीय आईटीआई खरगोन में 10 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से सांय 4 बजे तक पीएम नेशनल अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जाएगा। अप्रेंटिसशीप व प्लेसमेंट भर्ती मेले में इंदौर की टेलीफोर्स कम्पोसीटिस प्रायवेट लिमिटेड ट्रेनी प्रतिभाग करेगी। अप्रेंटिसशिप भर्ती शिविर में आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थी सम्मिलित हो सकते हैं।

आधार अपडेट के लिए ली जा रही अधिक राषी अपर कलेक्टर ने किया सेंटर सील

मयाराम पाल से पुछा कि, आधार अपडेट और बॉयोमेट्रिक करने के कितने रूपये ले रहो तो आपरेटर ने सभी कार्यो से 100 रू. लेना बताया। इस पर अपर कलेक्टर ने कहा कि, आधार अपडेट के इतने रूपये तो नहीं लगते। अलग-अलग कार्य के अलग अलग राशी निर्धारित है, वहीं आधार सेंटर पर शुल्क के लिए किसी प्रकार से कोई लिस्ट भी नहीं लगी थी। ऑपरेटर ने बताया कि, वह सेंटर पर काम करता है तथा सेंटर की आईडी संजय पाटीदार दसाई के नाम है। इस पर अपर कलेक्टर के द्वारा कार्यवाही करते हुए पंचायत सचिव भारतसिंह सोलंकी को पंचनामा बनाने के लिए निर्देशित किया एवं सेंटर पर मौजुद कम्प्युटर, प्रिंटर व अन्य उपकरण जप्त कर सील करने की कार्यवाही की गई। इसके साथ ही उनके द्वारा लाड़ली बहन योजना के तहत ग्राम पंचायत में हो रहे कार्यो का भी निरीक्षण किया गया तथा उपस्थित महिलाओं से बातचीत की तथा पंचायत में हो रहे कार्यो के प्रति संतोष व्यक्त किया एवं बताया कि, योजना के तहत की जाने वाली ईकेव्हाईसी पुर्णतः निःशुल्क है इसके लिए किसी प्रकार से कोई शुल्क नहीं लिया जाना है तथा सभी पात्र महिलाओं को योजना से जोड़ा जावे वहीं पंचायत के नजदीक ही कियोस्क सेंटर का भी निरीक्षण किया गया उनके साथ एलएमडी बलराम बैरागी भी मौजुद रहे।

माही की गूंज, धार/अमझेरा।

बुधवार को अपर कलेक्टर केएल मीणा के द्वारा पुराने ग्राम पंचायत भवन में चल रहे आधार सेंटर का आकस्मिक निरीक्षण किया। जिसमें उन्होने आपरेटर

अवैध शराब पर कार्यवाही

माही की गूंज ,रायपुरिया।

एक अप्रैल से मप्र सरकार द्वारा अहातो मे बिठाकर शराब पिलाने पर रोक लगाई गई इसी के चलते नशे के अडडो पर लगातार दबिश दी जा रही है इसी दौरान बुधवार को मुखबीर द्वारा बताया गया कि तारखेडी बाजार के पास अजय गुण्डीया अपने मकान मे दुकान है वंहा पर अवैध शराब बेच रहा है व बाजु के कमरे मे लोगो को शराब पिला रहा है सुचना एसडीओपी पेटलावद के मार्गदर्शन मे एक टीम बनाकर तारखेडी तरफ रवाना की जंहा पर अजय गुण्डीया मकान मे दुकान पर कुछ लोग बैठ कर अवैध रूप से शराब पी रहे थे दुकान मे से करीबन 6 पेटी अंग्रेजी / देशी शराब कीमती 20400 रू की मौके से जप्त की अजय गुण्डीया मौके से फरार हो गया मौके पर अजय गुण्डीया के सहयोगी को मय अवैध शराब के गिरफतार किया गया एंव आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

मौसम को मद्देनजर रख कृषक फसलें समेट में लगे

पानी की कमी के कारण रबी का रकबा घटा

माही की गूंज, आम्बुआ।

इस वर्ष वर्षाकाल में बारिश कम होने के कारण जलाशय नहीं भर सके थे। जिसको देखते हुए कृषकों ने रबी सीजन की फसलों में कटौती कर जरूरत तथा पानी की उपलब्धता को ध्यान में रख कर ही बुआई की थी। विगत महीने से बार-बार बदलते मौसम तथा मावठे की आशंका के कारण कृषक फसलें काटकर समेटने में लगे हैं।

''कृषि को मानसून का जुआ'' कहा जाता है जिसका सीधा असर कृषक पर पड़ता है। फसल अच्छी रहने के बाद भाव यदि कम मिला तो परेशानी यदि फसल मौसम की मार से खराब हुई तो किसान की कमर तोड़ दी जाती है। कृषक और खेती की स्थिति यह है कि, मौसम कब फसल खराब कर दे कहां नहीं जा सकता कई बार अच्छी हालत की फसले जब पक कर तैयार होती है कृषक उन्हें काटकर घर या मंडी तक ले जाए मगर तभी मौसम खराब हुआ पानी, ओला सब बर्बाद कर के चला जाता है। विगत एक माह से क्षेत्र में मौसम बार-बार बदल रहा है पिछले माह आसपास के 15-20 किलोमीटर क्षेत्र में बेमौसम बारिश तथा ओलावृष्टि ने किसानों को तबाह कर दिया। इसे देखते हुए आम्बुआ तथा समीप के ग्रामों के कृषक खेतों में पक्कर तैयार खड़ी गेहूं, चना, कपास आदि को काटने में जुट गए हैं तथा जैसे ही फसल कटती जा रही है खेतों में ही थ्रेशर से दाना निकाला जाकर बाजार में खपाया जा रहा है। मौसम की बेरुखी से चिंतित किसी भी तरह की जोखिम उठाने को तैयार नहीं है, वैसे भी पानी की कमी के कारण रबी फसलों का रकबा कम रहा है।

हनुमान जंयती पर शांति तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने आयोजन स्थल पर मजिस्ट्रीयल ड्यूटी लगाई

माही की गूंज, झाबुआ। कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जिला झाबुआ के आदेशानुसार आज हनुमान जंयती कार्यक्रम के दौरान जिले में शांति तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये अनुविभागीय दण्डाधिकारी की आयोजन स्थल पर सहायक कलेक्टर एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी पेटलावद अनिल कुमार राठौर, अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी सुनिल कुमार झा, अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी थांदला तरूण जैन तथा अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी मेघनगर श्रीमती अंकिता प्रजापति की मजिस्ट्रीयल ड्यूटी लगाई गई है।

प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

माही की गूंज, अलीराजपुर/च.शे.आ.नगर ।

शासकीय महाविद्यालय में स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, युवा नीति के अंतर्गत प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संस्था प्रमुख प्राचार्य डॉ.एसएस.डोडवे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। प्राचार्य डॉ एसएस. डोडवे ने प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को छोटे-छोटे लक्ष्य को तय करके बड़े लक्ष्य को कैसे प्राप्त कर सकते के टिप्स दिये। शिक्षा के क्षेत्र में कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों व राष्ट्रीय सेवा योजना में महाविद्यालय से बीए. द्वितीय वर्ष की छात्रा कुमारी टीना कोचरा ने बिलासपुर छत्तीसगढ़ में सात दिवसीय नेशनल कैंप में सहभागिता की तथा खेल के क्षेत्र में व युवा उत्सव कार्यक्रम में महाविद्यालय का जिला, संभाग व राज्य स्तर तक का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी छात्र-छात्राओं का कुमकुम तिलक लगाकर व फूलमाला से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी प्रोफेसर एम.एस. डोडवा, प्रो. संदीप बामनिया, डॉ. नवनीत सांकला, प्रो. दिलीप गरवाल व समस्त स्टाफ तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी प्रो कमलेश गणावा ने किया है व आभार, कार्यक्रम नोडल अधिकारी डॉ. रेशम बघेल द्वारा व्यक्त किया गया।

136 योजनाओं में 40 हैंड ओवर और अधिकांश पूर्णता की ओर

4 जनपदों में जल-जीवन मिशन की गहन समीक्षा हुई

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत जिले के 4 विकासखंडों में हुए कार्यों की गहन समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती ज्योति शर्मा के अलावा जनपदों के सीईओ, विभागीय अधिकारियों में अधीक्षण यंत्री डीएल सूर्यवंशी, प्रभारी कार्यपालन यंत्री श्रीमती नीरू पचौरी, एसडीओ शिवराम सोलंकी, राहुल सूर्यवंशी और उपयंत्री तथा योजनाओं के ठेकेदार व सर्वे एजेंसी और टीपीआई का अमला उपस्थित रहा। कलेक्टर वर्मा ने विभागीय अमले से कहा कि, नागरिकों को तात्कालिक और दीर्घ कालिक दोनों तरह से पेयजल की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना जरूरी भी है और हमारी सर्वोच्य प्राथमिकता भी। इसलिए जहां अभी पानी मिल रहा है लेकिन गर्मी में स्त्रोत सूखने की आशंका है। वहां की योजना अभी से बनाई जाए। इसके अलावा जहां के स्त्रोत अभी भी नहीं चल रहे हैं। ऐसे स्थानों पर जनपद सीईओ और पीएचई के अधिकारी मिलकर उपयुक्त स्थानों पर छोटे-छोटे गड्ढे और तालाब बनाने की योजना बनाएं। अस्थायी व्यवस्था के लिए विभाग जरूरत वाले क्षेत्रों में ट्यूबवेल खनन की अपनी तैयारी कर ले। इसके लिए सम्बन्धित एसडीएम और जनपद सीईओ के विचार समन्वय से यह कार्य सुनिश्चित करेंगे। सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई में आये आवेदनों का सत्यापन करवा कर समस्या के अस्थायी समाधान किया जाए। जो योजनाएं 75 प्रतिशत से 100 प्रतिशत कार्य वाली है उन्हें 15 दिनों में पूर्ण किया जाएगा।

जनपदों में मिशन के कार्यों की स्थिति

बैठक के दौरान विभाग द्वारा पीपीटी के माध्यम से जनपदों में योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी प्रस्तुत की गई। खरगोन जनपद में 27 रेट्रो फिटिंग और 4 नवीन योजनाओं में से 7 पूर्ण और 5 हैण्डओवर की गई है। जबकि 18 योजनाएं ऐसी है जिनमें 75 से 100 प्रतिशत प्रगति हुई है। हैंडओवर में रामपुरा, बगवा व अन्य 3 गांव है। खरगोन जनपद के अधिकांश गांवों में पिपरी तालाब से पेयजल की पूर्ति सम्भव है, इसके लिए एनवीडीए से गर्मी के समय जब जरूरत होगी तालाब में पानी छुड़वाया जाएगा। लिक्खी और मोठापुरा के लिए बनी योजना में इमलीपुरा और एक अन्य गांव में भी पानी अभी पहुँचाया जा रहा है। लेकिन आने वाले समय में समस्या हो सकती है। कुएं से पानी 3 मोटर के माध्यम से दिया जा रहा है। भगवानपुरा में 29 रेट्रो फिटिंग, 16 नवीन जिसमें 17 पूर्ण 12 हैंडओवर की गई है। 22 में 75 से 100 प्रतिशत कार्य हुआ है। भगवानपुरा जनपद में कदवाली के संबंध में सीईओ श्री पवन शाह ने लीकेज की समस्या तथा धुलकोट के एक फलियां में पानी नहीं पहुँचने, थरड़पुरा और गुर्जर बावड़ी में सिविल कार्य पूर्ण होने तथा पिपरिपाला, देवाड़ा और पिपलझोपा में टेस्टिंग होने की जानकारी दी गई। ज्ञात हो कि कुछ दिनों पूर्व पीएचई विभाग द्वारा जनपद सीईओ को कार्य पूर्णता वाली योजनाओं की सूची प्रदान की गई थी। जिसका सत्यापन कार्य पंचायत स्तर से भी किया गया। भगवानपुरा में भातुड़, भाग्यापुरा, दाऊद खेड़ी, बाड़ी खुर्द, नागरखेड़ी और गोपालपुरा के अलावा अन्य गांवो में हैंडओवर होने की जानकारी प्रस्तुत की गई।

सेगांव जनपद में 21 रेट्रो फिटिंग 1 नवीन योजनाओं में से 13 पूर्ण और 9 हैंडओवर की गई है। जनपद सीईओ श्री राजेन्द्र शर्मा ने बताया कि जमोठी के एक फलिये में पानी नहीं पहुँच रहा है। यहां विभाग के कार्यपालन यंत्री और दल पहुँचकर कारण देखेंगे। गोगांवा जनपद में 38 रेट्रो फिटिंग योजनाएं है। जिसमें 21 पूर्ण और 14 हैंडओवर की गई है। यहां के रूपखेड़ा के सम्बंध में उपयंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि हैंडओवर कर दी गई है। जबकि कार्यपालन यंत्री द्वारा कहा गया कि अभी हैंडओवर की कार्यवाही की जानी है। रूपखेड़ा में तड़वी, चारवाड़ी और तालाब फलिये है। जानकारी गलत देने पर विभाग के अधीक्षण यंत्री सूर्यवंशी द्वारा और कलेक्टर श्री वर्मा दोनों के द्वारा नोटिस जारी किया जाएगा।

कार्य में विलंब और अनियमितता करने पर दो एजेंसी ब्लैक लिस्टेड

कार्यपालन यंत्री श्रीमती पचौरी ने जानकारी देते हुए बताया कि, खरगोन जनपद में कार्य कर रही एजेंसियों का काम संतोषजनक नहीं और विलम्ब करने के कारण प्रगति इलेक्ट्रोकॉम गुड़गांव और विजयानंद इंजीनियरिंग ग्वालियर को ब्लैक लिस्टेड किया गया है। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि, अब तक विलंब के कारण एजेंसियों से कांटी गई राशि का भी उल्लेख करें।

सुर्खियों की कलेक्टरी : एक जाते-जाते सुर्खियों में तो एक आने से पहले ही सुर्खियों में

जहां से आई थी वहीं पहुंच गई रजनीसिंह, कलेक्टरी का कार्यकाल लगभग नगणन्य ही रहा, 6 माह में कोई उपलब्धी नहीं

माही की गूंज, झाबुआ।

जिले के इतिहास में अच्छे कलेक्टरों की सूची बहुत छोटी ही देखने को मिलती है। जबकि इसके उलट नाकाम और भ्रष्ट कलेक्टरों की सूची काफी लंबी है। इस बात से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि, प्रदेश सरकार इस जिले के विकास को लेकर कितनी संवेदनशील है। एक बहुत लंबा समय गुजर गया लेकिन जिले में कोई ऐसा कलेक्टर देखने को नहीं मिला जो जिले में अपना तय कार्यकाल तीन वर्ष सफलतम रूप से पूरा कर सका हो। हां यह जरूर है कि, कुछएक कलेक्टर जिले में 2 वर्ष से अधिक समय तक रहे और अपने अनुभव व कुशलता का परिचय देते हुए जिले की अच्छी तरह से कमान संभाले हुए थे। मगर समय के साथ ये भी राजनीति का शिकार हुए और आरोपों के चलते हटाए गए। इसके अलावा जिले में आए तमाम कलेक्टर सालभर या उससे थोड़ा ज्यादा ही रह पाए और किसी न किसी कारण के चलते उन्हे जिले से रवानगी दे दी गई। इनमें कईयों की कार्यप्रणाली का लचर होना था, तो कईयों की भ्रष्ट कार्यशैली उनके जिले से रवानगी का कारण बनी। यहां दो प्रश्न उठते है कि, क्या सरकार इस आदिवासी बाहुल्य जिले के लिए कोई अच्छे अधिकारी नहीं भेज पा रही है, या फिर यहां आने के बाद अधिकारियों की नियत में खोट पैदा हो जाती है...? वैसे भी यह माना जाता है कि, आईएएस अधिकारी झाबुआ जिले में सिर्फ पैसा कमाने आते है और जमकर भ्रष्टाचार करते है। इसके कई उदाहरण झाबुआ जिला देख भी चुका है। कुछ अधिकारी जो भ्रष्ट नहीं भी होते तो इस जिले को आदिवासी जिला होने के चलते समझ नहीं पाते है या राजनीतिक लोगों को उनकी कार्यशैली समझ नहीं आती और शिकायतों के चलते उनकी रवानगी हो जाती।

सबसे भ्रष्ट कलेक्टर

जिले में पिछले एक साल में जिस तरह का घटना क्रम हुआ है वह इस बात की पूरी-पूरी और बिल्कुल स्पष्ट गवाही भी देता है। पिछले सात माह में तीन कलेक्टर जिला देख चुका है। जिसमें कलेक्टर सामेश मिश्रा अपने भ्रष्ट कार्यशैली के लिए जिले से रवाना हुए। अप्रेल 2021 में जिले में कलेक्टर के रूप में पदस्थ हुए पूर्व कलेक्टर सोमेश मिश्रा का कार्यकाल कुछ ठीक नहीं रहा। इनके कार्यकाल में बड़े-बड़े भ्रष्टाचार इनकी मौन स्वीकृति से हुए और इस तरह के भ्रष्टाचार का विरोध करने वालों को भी इसका हिस्सा बना लिया गया। एक लंबी फेहरिस्त भ्रष्टाचार, घपलों और घोटालों की कलेक्टर सोमेश मिश्रा के कार्यकाल में दिखाई पड़ती है। भ्रष्टाचार इतना चरम पर रहा कि कोई भी सरकारी काम-काज बिना लेन-देन के हो ही नहीं सकता। मिश्रा के कार्यकाल में सिर्फ चापलूसों, चाटूकारों के ही वारे-न्यारे हुए मगर जनता के साथ जिले का बेड़ा गर्क ही नजर आया। कलेक्टर मिश्रा के कार्यकाल के तमाम छोटे-बड़े भ्रष्टाचार लोगों में चौराहों पर चर्चा का विषय बने रहे। हालांकि यह जिला इससे पहले भी कई भ्रष्ट अधिकारियों व कलेक्टरों को झेल चुका है। मगर कलेक्टर मिश्रा इस जिले में सबसे भ्रष्ट कलेक्टर के रूप में याद रखे जाएंगे।

पूर्व कलेक्टर रजनीसिंह

नवागत कलेक्टर तन्वी हुड्डा

उम्मीदों पर फैरा पानी

मिश्रा के जाने के बाद जिले में पहली बार कलेक्टर बनकर आई आईएएस रजनीसिंह से काफी उम्मीदें आमजन को थी, लेकिन ऐसा कुछ हुआ नहीं और आमजन की उम्मीदों पर कलेक्टर रजनीसिह ने पानी ही फेर दिया। बिल्कुल ढीली और लचर कार्यशैली के चलते वे अपनी जगह आमजन के बीच तो ठीक अपने ही अधिकारियों में बनाने में सफल नही हो पाई। आमजन का तो यह मानना था कि, वे कलेक्टर है ही नहीं, उनमें कोई भी गुण कलेक्टर जैसा है ही नहीं। पिछले 6 माह में उन्होने जिले में ऐसा कोई कार्य नही किया जिसे याद किया जा सके या जिसके बारे में बात की जा सके। हां यह जरूर हुआ कि, अपने सरकारी दुमछल्ले पत्रकार से मेडम ने अपनी खूब वाहवाही करवाई। सरकारी पत्रकार ने भी मेडम को खूब धोग दिया और जमकर चापलूसी की। मगर मेडम यह भूल गई कि, इस तरह की वाहवाही कोई मायने नहीं रखती। असल में मायने रखती है आमजन की राय और मीडिया का नजरिया जो आपकी कार्यशैली को देखते हुए आपकी अच्छाई या कमी दिखाता है। यही वह तय करता है कि, आप कितने सफय या असफल है।

अधिनस्तों ने दिखाया सब कुछ हरा-हरा

यहां यह जरूर कहा जा सकता है कि, कलेक्टर रजनीसिंह को शायद यह समझ ही नहीं आया कि, इस आदिवासी बाहुल्य जिले में किस तरह से कार्य किया जाए। वे पूरी तरह से अपने ही अधिनस्तों और चापलूसों के बुने जाल में उलझी रही। जिले में बैठे अधिकारियों ने रजनीसिंह को सावन का अंधा बनाकर सबकुछ हरा-हरा ही दिखाया। लोग जब भ्रष्टाचार की शिकायत लेकर कलेक्टर रजनीसिंह के पास पहुंचते थे तो बजाय भ्रष्टाचार की जांच करवाने के वे शिकायतकर्ता की ही क्लास लगा देती थी। आमजन और जनप्रतिनिधि भी जब उनको अवगत कराते कि भ्रष्टाचार हो रहा है, तब भी कलेक्टर रजनीसिंह का यह आलम था कि, वह आमजन और जनप्रतिनिधियों को गलत ठहराती और भ्रष्टाचार और अनियमितता को सही और अच्छा बताते हुए शिकायतकर्ताओं को टरकाती ही नजर आती थी। रजनीसिंह में एक आईएएस इसलिए भी दिखाई नहीं देता था कि, वे छोटी-छोटी बातों पर एक दम से उत्तेजित होकर गुस्से में हो जाती थी। अखबारों और मीडिया में उनकी कमियो की छपी खबर के बाद तो वे अपने आपको काबू में नहीं रख पाती थी। फिर जो भी पत्रकार सामने आ जाए उसकी तो खैर नहीं, चाहे उसने कोई भी खबर ना छापी हो। मगर उसे मेडम के गुस्से का शिकार होना पड़ता था। यही रवैया आमजन के साथ भी देखने को मिला है। आमजन और मीडिया से मेडम ने इन 6 महीनों में कोई जीवित संपर्क नहीं बनाए। केवल सरकारी मीडिया जनसंपर्क में ही उलझकर रह गई। कलेक्टर रजनीसिंह जिले में जनप्रतिनिधियों को भी हल्के में ही लेती रही। जिसका परिणाम यह हुआ कि, उन्हे जिले से रवानगी लेना पड़ी। शारदीय नवरात्र के पहले जिले में आई कलेक्टर रजनीसिंह चेत्र नवरात्र करके जिले से रवाना हो गई। अब मेडम की स्थिति ऐसी हो गई कि, वे जहां से आई थी वहीं पहुंच गई। मतलब पहली बार कलेक्टर बनकर झाबुआ आने से पहले रजनीसिंह अपर आयुक्त (राजस्व) इंदौर संभाग के पद पर कार्यरत थी और अब झाबुआ से रवानगी के बाद भी वे इसी पद पहुंच गई। हालांकि राजनीसिंह जिले से जाते हुए भी कई तरह की बातों को लेकर सोशल मीडिया की पोस्टों में सुर्खियां बनी रही। कलेक्टर रजनीसिंह के तबादले को लेकर कई तरह की बातें अखबारों और सोशल मीडिया पर हुई। जिसमें कई तरह के तर्क-कुतर्क सामने आए। कलेक्टोरेट में कलेक्टर रजनीसिंह द्वारा बनवाए जा रहे नए चेंबर को लेकर भी यह कहा जा रहा है कि, जिले में जितने भी कलेक्टरों ने अपने कार्यालयों में परिवर्तन किया वे कुछ ही दिनों में जिले से रवाना हो गए। खैर जो भी हो लेकिन मेडम जाते-जाते भी सुर्खियों में रही।

नई कलेक्टर से फिर उम्मीदें

अब जिले में आई नई कलेक्टर से कई उम्मीदें है, लेकिन उम्मीदों का क्या है, यह जिला तो हर अधिकारी से उम्मीदे लगाता ही आया है। मगर अब तक जिले की उम्मीदों पर कुछेक अधिकारी ही खरे उतरे है। जिले में जयश्री कियावत, अरूणा गुप्ता, और अब रजनीसिंह की रवानगी के बाद चौथी महिला कलेक्टर के रूप में 2014 बैच की सुश्री तन्वी हुड्डा ने झाबुआ पहुंचकर पदभार संभाला है। वैसे जिले में अब तक आई महिला कलेक्टरों की बात करें तो केवल जयश्री कियावत का ही कार्यकाल अच्छा रहा है। बाकी महिला कलेक्टरों के कार्यकाल को अच्छा तो नहीं कहा जा सकता। चूंकि अब चौथी महिला कलेक्टर के रूप में तन्वी हुड्डा आई है तो यह एक चुनौती भी है कि, वे सफल महिला कलेक्टर के रूप में अपनी छवि जिले में चौका मारकर छोड़ सके। तन्वी हुड्डा इससे पहले अपर आयुक्त वाणिज्यिक कर, इंदौर तथा अपर आयुक्त (राजस्व) इंदौर संभाग, इंदौर (अतिरिक्त प्रभार) के पद पर कार्यरत थी। इसके पहले वे मंडला जिला पंचायत सीईओ और सतना नगर निगम कमिश्नर भी रह चुकी है। इसके अलावा सतना जिले के मैहर तहसील में एसडीएम भी रह चुकी है। मैहर में एसडीएम के पद रहकर सुर्खियों में आई तन्वी हुड्डा ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के तीन दिवसीय कार्यक्रम के लिए मैहर विधायक नारायण त्रिपाठी ने मां शारदा प्रबंध समिति का यात्री निवास मांगा था। उस वक्त आईएएस तन्वी हुड्डा समिति की प्रशासक थी। उन्होने आयोजकों को एक लाख 30 हजार रुपये किराया जमा करने को कह दिया। संघ के कार्यक्रम के लिए विधायक यात्री निवास मुफ्त में ही चाहते थे। लेकिन प्रशासक तन्वी हुड्डा ने साफ इन्कार कर दिया था। विधायक ने तत्कालीन कलेक्टर नरेश पाल को मामले में हस्तक्षेप करने को कहा, लेकिन एसडीएम तन्वी हुड्डा ने नियमों का हवाला देते हुए राशि जमा करवाने की बात कह दी थी। आखिर कार विधायक को पूरा किराया जमा करवाना पड़ा। इस मामले के बाद हुड्डा को मैहर से हटाते हुए नरसिंहगढ़ जिला राजगढ़ का एसडीएम बना दिया गया था।

सोशल मीडिया पर सुर्खियों में हुड्डा

यह पूरा मामला मेडम के झाबुआ कलेक्टर बनने की खबर के बाद से ही सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौर रहा है। सोशल मीडिया की इस पोस्ट के बाद हर कोई अपने दिमाग पर जोर डालकर कलेक्टर की कार्यप्रणाली और छवि को आंकने में लगा हुआ है। हालांकि अभी तक जो रूझान सोशल मीडिया से आए है उसके मुताबित तो मैडम तन्वी हुड्डा का रवैया सख्त ही मालूम हो रहा है। मगर फिर भी जमीनी हकीकत तो कुछ समय बाद ही पता चल पाएगी। क्योंकि जिस सख्त रवैये की बात सोशल मीडिया पर हो रही है वह तो 2016 का मामला है और हुड्डा मैडम 2014 बैच की अधिकारी है। तो यह भी कहा जा सकता है कि, ''नया मुल्ला जरा जोर से ही आजान पढ़ता है''। समय के साथ उसकी आवाज में नमी और नरमी दोनों ही आ जाती है। अब देखना यह है कि, आईएएस तन्वी हुड्डा की आजान में कितना दम बचा है। खैर जो भी हो लेकिन मैडम तन्वी हुड्डा जिले में कदम रखने के पहले ही सुर्खियों में बनी हुई है।

चुनौतियों से भरा है जिला

झाबुआ कलेक्टर के रूप में पदस्थ हुई तन्वी हुड्डा के लिए यह जिला चुनौती भरा हो सकता है। क्योंकि यहां भ्रष्टाचार व माफियाई राज अपने चरम स्तर पर फैल चुका है। यहां की राजनीति भी नई कलेक्टर के सामने एक चुनौती ही साबित होगी। भ्रष्ट अधिकारियों के दम पर जिले में फैला माफियाओं का साम्राज्य किसी से छुपा नहीं है। रेत माफिया, खनिज माफिया, शराब माफिया, अवैध डीजल माफिया आदि कई माफियाओं का जाल जिले में पसरा पड़ा है जो नई कलेक्टर को चुनौती देगा। इसके अलावा पिछले कलेक्टरों की धुमिल छवि से भी पार पाना किसी चुनौती से कम नहीं होगा। इसके अलावा अपने अधिनस्तों को परख कर चापलूसों और चाटूकारों से बचना भी एक चुनौती है। मगर माही की गूंज का यह मानना है कि, ''जब ओखली में सिर दे ही दिया है तो फिर मुसल से क्या डरना''। जिले की नई कलेक्टर को माही की गूंज परिवार की और से हार्दिक शुभकामनाओं के साथ यही उम्मीद की भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। माफियाओं की नाक में नकेल कसी जाएगी। जिले की गरीब जनता की सुनवाई होगी और जिले का सर्वांगिण विकास होगा। इन्ही शुभकामनाओं के साथ माही की गूंज परिवार आपका जिले में हार्दिक स्वागत करता है.... !

श्री राम कथा का समापन, भंडारा आज

माही की गूंज, खवासा।

स्थानीय हनुमान मंदिर पर 30 मार्च से हो रही श्री राम कथा का समापन कल किया गया और आज हनुमानजन्मोत्सव के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन रखा गया है जिसमें सुबह से हवन किया जाएगा और राम कथा की पूर्णाहुति के साथ ही महाप्रसादी शुरू की जायेगी। श्री रामकथा कथावाचक सुश्री रितु जी पांडेय के मुखारविंद से हुई जिसमें व्यासपीठ ने रितु जी ने न केवल अपने कठस्थ शुलोको से रामकथा का सुंदर वाचन किया बल्कि अपने सुमधुर भजनों पर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

रामकथा के सुंदर चित्रण का आम जनजीवन से जोड़ते हुए साध्वी ने कहा कि, श्री राम ने जो आचरण अपने जीवन में किया वो अनुकरणीय है, चाहे पुत्र के रूप में, भाई के रूप में, पति के रूप में, चाहे दोस्त के रूप में प्रत्येक रूप में उन्होंने मर्यादा का आचरण किया है और एक आदर्श स्थापित किया है। हमें वैसा ही आचरण करना चाहिए जैसा आचरण हम दूसरों से अपने लिए चाहिए। साध्वी ने सुंदर भजनों के माध्यम से भी श्री राम के चरित्र का सुंदर वर्णन किया। साध्वी जी ने रामायण की घटनाओं का जीवन वर्णन अपनी वाणी से दिया और अपनी ओजस्वी वाणी से इस प्रकार शब्द चित्र का वर्णन किया मानो कथा नहीं रामायण ही चल रही है। बीच-बीच में भावुक क्षणों में कई श्रोता भावुक भी हुए। श्री राम कथा व भण्डारे के मुख्य जजमान का लाभ पूर्व उपसरपंच कमलेश (कांतिलाल) भटेवरा ने लिया।

अपनी मनमानी के साथ पुलिस रिकॉर्ड में निंदा शक्ति का खिताब हासिल करने वाली टीआई कौशल्या को हटाया

माही की गूंज, कल्याणपूरा।

लगातार विवादों में घिरी रहने वाली कल्याणपूरा थाना प्रभारी कौशल्या चौहान को पुलिस अधीक्षक झाबुआ ने आदेश जारी करते हुए कल्याणपूरा थाने से हटा दिया। उनकी जगह अनिल बामनिया को नया थाना प्रभारी बनाया गया है। जबकि कौशल्या चौहान को प्रभारी कंट्रोल रूम यातायात झाबुआ बनाया गया । बता दे कि, कौशल्या चौहान विगत दिनों एक पत्रकार के विरुद्ध झूठी कायमी ओर फिर धर्मांतरण के मामले में हुई एफआईआर के चलते हिन्दू युवा जनजाति मंच के कार्यकर्ताओं ने रात भर प्रर्दशन किया था। इससे पूर्व भी जिन थानो पर कौशल्या चौहान पदस्थ रही वहां विवादों में रही और गंभीर आरोप इन पर लगते रहे जिसके चलते कार्यालय पुलिस उप महानिरीक्षक इंदौर ग्रामीण रेंज इंदौर द्वारा आदेश जारी कर रिकॉर्ड ने निंदा शक्ति अंकित की थी

नगर में चल रहा सरकारी भूमि की हेरा-फेरी का खेल

अहस्तांतरित कृषि (पट्टे) की भूमि बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के हो गई लीच रजिस्ट्री

माही की गूंज, पेटलावद।

नगर में इन दिनों भू-माफिया की पो बारह हुई पडी है। नगर में सक्रिय भू-माफिया इस कदर जमीन बेचने-खरीदने के काम में लगे है कि, जिसकी कोई हद नही। इन भू-माफिया दलालों की नजर सबसे अधिक उन जमीनो पर है जो सरकारी भूमि से लगी हुई है या फिर पट्टे की है जिसकी सरकारी तंत्र की साठ-गांठ से निजी बना कर करोड़ो के व्यारे-न्यारे किये जा रहे है। पेटलावद नगर के मुख्य मार्गो पर लगी भूमि के साथ-साथ आसपास की ग्राम पंचायतों में आने वाली ज्यादातर सरकारी जमीनो की बंदरबांट हो चुकी है। जिसकी जांच की जाए तो सरकारी मशीनरी और भू-माफियाओ की साठ-गांठ का पूरा काला चिट्ठा सामने आ जायेगा।

ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जहां नगर में शासन द्वारा भागीरथ पिता वरदा काग निवासी पेटलावद को 595/1/2 पर जीवन यापन करने हेतु कृषि भूमि पट्टे जो अहस्तांतरित कृषि पट्टा था। वर्तमान में भूमि पर कृषि नही की जा रही है और स्टेट हाइवे से लगी होने के कारण भूमि की लागत करोड़ो में है। इस भूमि को मनीष कुमार पिता मनोहर लाल भण्डारी व रवि पिता रमण लाल चौधरी निवासी पेटलावद के साथ मिलकर इन्हे उक्त भूमि की गलत तरीके से व शासन को गुमराह कर गलत जानकारी पेश कर उक्त पट्टे की अहस्तांतरित भूमि को परिवर्तित कर लीच रजिस्ट्री दिनांक 12 अप्रैल 2022 को करवाई गई। जहां पर अब कृषि ना करके अन्य प्रयोजन हेतु उपयोग मे लिया जावेगा। भूमि को पंपावती तट तक दर्शाया गया, जबकि यह पेटलावद-करडावद की सीमा पर स्थित है और नगरीय सीमा मे होने से यह भूमि बेसकीमती करोड़ों रुपए की है और इस पर विगत कई वर्षों से कृषि नही की जा रही है। उक्त भूमि को कृषि पट्टे की अहस्तानतरित भूमि को डायवर्टेड याने परिवर्तित करवाया गया, जबकि नियमानुसार केवल कृषि के लिए दी गई पट्टे की भूमि को कृषि कार्य में ही उपयोग की जा सकती हैं और भूमि जो की अहस्तांतरि हैं उसे हस्तांतरित करने व लीच कराने के लिए कलेक्टर की अनुमति ली जाती हैं जो नहीं ली गई हैं। बताया जा रहा है, उक्त भूमि की खरीद फरोख्त पर्दे के पीछे हो गई है। बस दिखावे के लिए भूमि की लीच डीड तैयार की गई है। जानकारी मिली है कि, जिसके नाम से भूमि थी उनके परिवार को भी इस सौदे की जानकारी नही थी और अब भूमि की लीज करवाने वालो के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की तैयारी की जा रही है।

क्या कहता है नियम

अहस्तांतरित कृषि कार्य हेतु दिए गए पट्टे को डायवर्टेड करवा कर बिना सक्षम आधिकारी (कलेक्टर) की अनुमति लिए इसकी 20 वर्ष की लीज रजिस्ट्री करवाई गई है। जो कि, मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 165 (7) का पूर्ण उलंघन है जो अपराध की श्रेणी में आता है। उक्त भूमि को शासन हित में पट्टेदार को बेदखल शासकीय घोषित किया जा सकता और सम्बन्धित सभी मिली भगत करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों, कर्मचारियो के साथ पट्टेदार भागीरथ पिता वरदा काग निवासी पेटलावद, मनीष पिता मनोहर लाल भण्डारी निवासी पेटलावद, रविंद्र पिता भेरूलाल चौधरी निवासी रायपुरिया सहित गवाहदारो के खिलाफ़ प्रकरण दर्ज हो सकता है, लेकिन इसके लिए प्रशासन के उन्ही नुमाइंदों को सक्रिय होना पड़ेगा जो कही न कही इस खेल का हिस्सा बने है या फिर अपने निचले अधिकारीयो की कारगुजारियों से अनभिज्ञ है।

काम कर रहा है पूरा सिंडिकेट

पेटलावद नगर में भू-माफिया की हालत ऐसी है कि, कई ग्रुपो में मिलकर जमीनों को ठिकाने लगाने का काम कर रहे है। विवादित भूमि, सरकारी भूमि और पट्टे की भूमि पर इनकीं नजर लगी हुई रहती है। बकायदा बिना किसी पुष्टि के रिकॉर्ड के आधार पर जमीनों की रजिस्ट्री और नामांतरण हो जाता है इसके बाद कब्जेधारी को जमीन से बेदखल करने का खेल शुरू होता है। इसमें पूरा सिंडिकेट काम कर रहा है जो खरीदी से लेकर रजिस्ट्री, नामांतरण और कब्जा करने तक काम कर रहे है। बीते दस वर्षों के रेकॉर्ड की जांच की जाए तो कई रजिस्ट्रीयो में क्रेता-विक्रेता और गवाह एक जेसी ही मिलेगे।

एमआरपी से अधिक मूल्य लेने पर प्रकरण दर्ज

माही की गूंज, झाबुआ/बामनिया।

नापतौल विभाग और खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा शिकायत पर कार्यवाही करते हुए ग्राम सातेर एवं बामनिया में कोल्डड्रिंक और सिगरेट पैकेट पर एमआरपी से अधिक मूल्य पर कीमत लेने पर मां कृपा ढाबा एवं रेस्टोरेंट तथा चाणोदिया किराना बामनिया के विरुद्ध विधिक माप विज्ञान अधिनियम के तहत प्रकरण पंजिबद्ध किया है। नापतौल निरीक्षक द्वारा बताया गया है कि, कोई भी दुकानदार एमआरपी. से अधिक मूल्य पर सामग्री का विक्रय नहीं करें अनियमितता पाई जाने पर प्रकरण पंजिबद्ध किया जायेगा। वही बिना खाद्य पंजीयन ढाबा संचालन करते पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम तहत प्रकरण पजिबद्ध किया गया है। कार्यवाही में नापतौल निरीक्षक कपिल कदम, खाद्य सुरक्षा अधिकारी राहुल सिंह अलावा एवं श्रम सहायक संजय पाँचाल उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422